

संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

घटती घटना

लेख एवं विचार अभिव्यक्ति

अम्बिकापुर,शुक्रवार 12 सितम्बर 2025

2

संपादकीय

जापान-भारत के बीच महत्वपूर्ण साझेदारी

जापान ने भारत में एक दशक में 10 हजार अरब येन (करीब 60 हजार करोड़ रुपये) के निवेश का लक्ष्य रखा है, और दोनों देशों ने महत्वपूर्ण खनिजों, रक्षा और प्रौद्योगिकी जैसे कई प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए दस वर्षीय बड़ी रूपरेखा भी तैयार की है। दोनों पक्षों ने 13 प्रमुख समझौतों और दस्तावेजों को अंतिम रूप दिया। महत्वपूर्ण बात यह है कि जापान ने यह फैसला व्यापार और शुल्क पर अमेरिकी ट्रंप प्रशासन की नीतियों के चलते वैकै पटल पर मची उथल-पुथल के बीच किया। भारत-जापान विशेष रणनीतिक और वैकै साझेदारी के विस्तार की घोषणाएँ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनके जापानी समकक्ष शिगेरु इशिबा के बीच शिखर वार्ता के बाद की गई। प्रधानमंत्री मोदी दो देशों-जापान और चीन-की अपनी यात्रा के पहले चरण में जापान पहुंचे थे जहाँ जापान के प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा के साथ शिखर वार्ता हुई। शिखर वार्ता के उपरांत प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जापान की निर्बाध और खुले हिन्द-प्राशांत की अवधारणा और इस बाबत भारत की सोच में गहरा सामंजस्य है। विज्ञान महासागर' और हिन्द-प्राशांत महासागरों की पहल से भारत की सोच मुखर होती है। दोनों देश शांतिपूर्ण, समृद्ध और स्थिर हिन्द-प्राशांत क्षेत्र के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसके साथ ही दोनों देशों के हिन्द-प्राशांत क्षेत्र के देशों के साथ मजबूत और व्यापक संबंध भी हैं। इसके चलते दोनों देशों को अपने साझा उद्देश्यों को अभिव्यक्ति देने के लिए हिन्द-प्राशांत देशों में से कुछ के साथ बहुपक्षीय प्रारूपों में संवाद करने में मदद मिलती है। बेशक, भारत और जापान ने अपनी विशेष रणनीतिक और वैकै साझेदारी में एक नये और सुनहरे अध्याय की मजबूत नींव रखी है। दो प्रमुख अव्यवस्थाओं और जीवित लोकतंत्र के रूप में भारत-जापान की साझेदारी न केवल इन दोनों के लिए, बल्कि वैकै शांति और स्थिरता के लिए भी बहुत महत्वपूर्ण है। मौजूदा वैकै अस्थिरता के बरक्स जापान और भारत का परस्पर सहयोग बढ़ना इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि दोनों के बीच हुए समझौतों से इस तथ्य की तस्दीक होती है कि मजबूत लोकतंत्र बेहतर दुनिया को आकार देने में स्वाभाविक साझेदार होते हैं। प्रधानमंत्री मोदी की इन दो प्रमुख एशियाई देशों की यात्रा ऐसे समय में हुई है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीति को लेकर भारत और अमेरिका के संबंधों में अचानक गिरावट आई है। ऐसे में जापान-भारत के बीच साझेदारी का फैसला बेशक, आस्त करने वाला है।

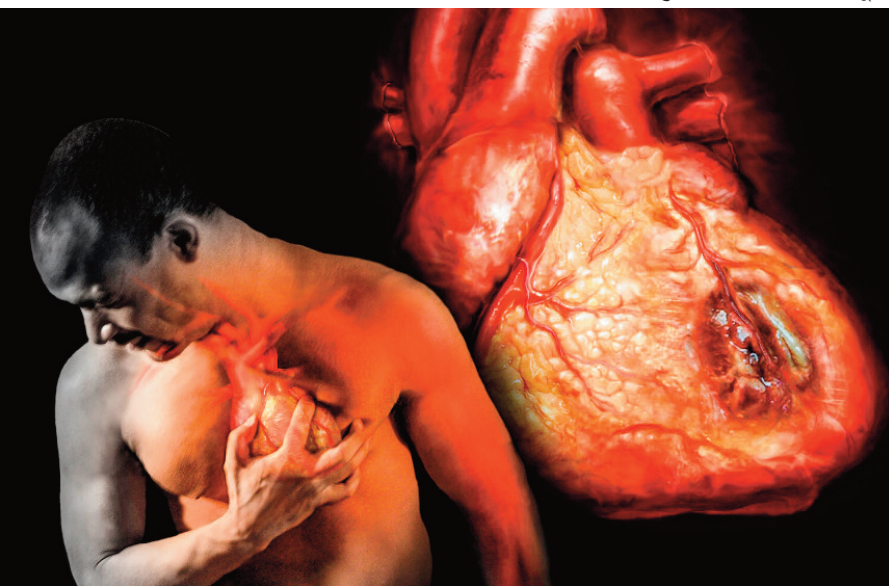


ललित गर्ग
पटपड़गंज, दिल्ली-92

आधुनिक युग को यदि सुविधाओं और संसाधनों का युग कहा जाए तो यह अतिशयोक्ति नहीं होगी। लेकिन इन सुविधाओं और विलासिताओं की कीमत भी समाज को चुकानी पड़ रही है। मशीनों और तकनीक ने जीवन को आसान बनाया है, परंतु इसके साथ ही ऐसी अनेक जीवनशैली-जनित बीमारियों को जन्म दिया है जो पहले दुर्लभ थीं। इन बीमारियों में सबसे बड़ी और भयावह बीमारी है-दिल का रोग। दिल की बीमारियाँ आज विश्व में असमय मृत्यु का सबसे बड़ा कारण बन चुकी हैं और भारत भी इससे अछूता नहीं है। हाल ही में जारी कांजेंज ऑफ़ डेथ इन इंडिया 2021-23 की रिपोर्ट इस खतरे की गंभीरता को और स्पष्ट करती है। पहले जहाँ माना जाता था कि हृदय रोग और दिल के दौरें बुजुर्गों की बीमारी हैं, वहीं अब स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है। रिपोर्ट में बताया गया है कि अब 30 वर्ष से अधिक आयु के लोगों में हृदयाघात से होने वाली मौतें तेजी से बढ़ रही हैं। यानी युवाओं में दिल का दौरा अब असामान्य नहीं, बल्कि आम होता जा रहा है। यह न केवल चिकित्सा जगत के लिए चिंता का विषय है बल्कि समाज और परिवार के लिए भी गहरी चिंता का कारण है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट के अनुसार, 2021 में हृदय रोगों के कारण विश्वभर में लगभग 1.8 करोड़ लोगों की मृत्यु हुई। यह आंकड़ा किसी भी अन्य बीमारी से कहीं अधिक है। अकेले भारत में

प्रतिवर्ष लगभग 28 प्रतिशत मौतें हृदय रोगों से होती हैं। इसका अर्थ यह है कि हर चौथा भारतीय हृदयाघात या उससे जुड़ी बीमारी का शिकार होकर अकाल मृत्यु का सामना कर रहा है। शहरी क्षेत्रों में यह दर भी अधिक है क्योंकि वहीं तनाव, प्रदूषण, अस्वस्थ भोजन और व्यायाम की कमी का प्रभाव ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में कहीं ज्यादा है। विशेष चिंता की बात यह है कि भारत में 40 प्रतिशत से अधिक दिल के दौरें 40 वर्ष से कम आयु में आ रहे हैं। यह आंकड़ा अमेरिका और यूरोप जैसे विकसित देशों से कहीं अधिक है, जहाँ यह दर 10 से 15 प्रतिशत के बीच है। इस तथ्य से स्पष्ट है कि भारतीय युवा पीढ़ी का हृदय पहले से कहीं अधिक असुरक्षित एवं खतरे में है। नमूना पंजीयन सर्वेक्षण के नए आंकड़े विशेषकर दिल के प्रति सजग रहने की वकालत करते हैं। भारत में सबसे अधिक करीब 31 फीसदी मौतें दिल की बीमारियों के कारण होती हैं। यदि हम यहाँ पर भारत में मोटापे की राष्ट्रीय स्थिति की बात करें तो भारत में मोटापे की औसत दर लगभग 40.3 प्रतिशत है, जिसमें महिलाओं में यह दर 41.88 प्रतिशत और पुरुषों में 38.67 प्रतिशत है। शहरी क्षेत्रों में यह दर ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में अधिक है। आंकड़े बताते हैं कि पुडुचेरी, चंडीगढ़, और दिल्ली जैसे राज्यों में मोटापे की दर उच्चतम है। भारत में सबसे अधिक करीब 31 फीसदी मौतें दिल की बीमारियों के कारण होती हैं। सर्वेक्षण में यह पता चला है कि 30 से अधिक उम्र वाले लोगों में मौत की सबसे बड़ी वजह दिल है। देश के 28 राज्यों और आठ केंद्रशासित क्षेत्रों में करीब 88 लाख लोगों पर किए गए इस सर्वेक्षण से यह पता लगाने की कोशिश की गई थी कि भारत में मौत की वजह क्या है और किस बीमारी से कितनी जान जा रही है? एक उपलब्ध जानकारी के अनुसार 2021 में कोविड-19

महामारी के कारण मृत्यु दर में वृद्धि हुई। हालाँकि, 2022 और 2023 में स्थिति में सुधार देखा गया, लेकिन महामारी के प्रभाव से उत्पन्न स्वास्थ्य संकटों का असर अभी भी महसूस किया जा रहा है। दिल की बीमारियों की बढ़ती प्रवृत्ति को केवल चिकित्सा या आनुवंशिक कारणों से नहीं समझा जा सकता।



इसके पीछे कई सामाजिक, आर्थिक और जीवनशैली संबंधी कारण हैं। आज का युवा वर्ग फास्ट फूड, जंक फूड और प्रोसेस्ड भोजन पर अधिक निर्भर है। इसमें उच्च मात्रा में तेल, नमक और चीनी होती है, जो हृदय की धमनियों को अवरुद्ध कर देती है। पारंपरिक संतुलित आहार जिसमें दाल, सब्जियाँ, अनाज और फल शामिल थे, अब जीवन से गायब होते जा रहे हैं। आधुनिक जीवन की दौड़-भाग, नैकरी और कैरियर की अनिश्चितता, प्रतिस्पर्धा, आर्थिक दबाव और सामाजिक अपेक्षाएँ युवाओं को लगातार मानसिक तनाव में रखती हैं। तनाव से हार्मोनल असंतुलन होता है और यह हृदय की धड़कन तथा रक्तचाप को प्रभावित करता है। धूम्रपान, शराब और अन्य

नशे की वस्तुएँ दिल की बीमारी के सबसे बड़े कारणों में शामिल हैं। धूम्रपान से रक्त नलिकाएँ सिकुड़ जाती हैं और धमनियों में कोलेस्ट्रॉल जमने की प्रक्रिया तेज हो जाती है। यही स्थिति शराब और ड्रग्स से भी उत्पन्न होती है। शहरी जीवनशैली ने युवाओं को गतिहीन बना दिया है। दिनभर दफ्तर

बीमारियाँ केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य की समस्या नहीं हैं, बल्कि इसके व्यापक सामाजिक और आर्थिक परिणाम हैं। जब कोई 30 या 40 वर्ष का युवा अचानक दिल का शिकार होकर मर जाता है तो उसके परिवार की आर्थिक रीढ़ टूट जाती है। भारत जैसे विकासशील देश में जहाँ युवाओं को सबसे बड़ी पूंजी

है। ब्लड प्रेशर, शुगर और कोलेस्ट्रॉल की समय-समय पर जांच से बीमारी का प्रारंभिक चरण में पता लग सकता है। सरकारी, सामाजिक संस्थाएँ और चिकित्सा जगत को मिलकर दिल की बीमारियों के प्रति जनजागरण अभियान चलाना चाहिए। दिल की बीमारी आज 'साइलेंट किलर' बन चुकी है। यह अचानक प्रकट होकर जीवन को समाप्त कर देती है। लेकिन यह पूरी तरह अनियंत्रित नहीं है। यदि हम अपने जीवन में अनुशासन, संतुलन और संयम को स्थान दें, तो हृदय रोग से बड़ी हद तक बचा जा सकता है। कांजेंज ऑफ़ डेथ इन इंडिया 2021-23 की रिपोर्ट केवल एक चेतावनी है कि अब समय आ गया है जब समाज और व्यक्ति दोनों को इस खतरे को गंभीरता से लेना होगा। यह केवल चिकित्सकों या अस्पतालों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की अपनी जिम्मेदारी है कि वह अपने दिल को स्वस्थ रखने के लिए सजग और सतर्क रहे। दिल की धड़कनें जीवन का संगीत हैं, इन्हें हमेशा से पहले मौन होने से बचना ही आज की सबसे बड़ी चुनौती है। इस प्रकार बीमार होना राष्ट्र के भविष्य को भी खतरे में डालता है। दिल की बीमारियों से बचाव संभव है, यदि समाज और व्यक्ति दोनों ही स्तर पर गंभीर प्रयास किए जाएँ। भोजन में ताजे फल, हरी सब्जियाँ, साबुत अनाज, दालें और कम वसा वाला भोजन शामिल किया जाए। नमक, चीनी और तेलीय भोजन को संयमित किया जाए। प्रतिदिन कम से कम 30 मिनट पैदल चलना, योग, प्राणायाम और हल्की कसरत को जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए। ध्यान, मेडिटेशन और समय प्रबंधन की आदतें तनाव को कम कर सकती हैं। धूम्रपान, शराब और अन्य नशों से दूर रहना हृदय को सुरक्षित रखने की सबसे बड़ी कुंजी

नोबेल पुरस्कार विजेता वैज्ञानिक, आइरीन जोलियट-क्यूरी



संजय गोस्वामी,
अणुशक्तिगर, मुंबई -94

रेडियोकेमिस्ट आइरीन जूलियो-क्यूरी एक रेडियोलॉजिस्ट, राजनीतिज्ञ और दो प्रसिद्ध वैज्ञानिकों, मैरी और पियरे क्यूरी की पुत्री थीं। अपने पति, फ्रेडरिक के साथ, उन्होंने दुनिया के पहले कृत्रिम रूप से निर्मित रेडियोधर्मी परमाणु की खोज की, जिसने कई चिकित्सा प्रगति, विशेष रूप से कैंसर के उपचार में, का मार्ग प्रशस्त किया। उनके माता-पिता को भीतिकी का नोबेल पुरस्कार मिला था। आइरीन जोलियट-क्यूरी (12 सितंबर 1897 - 17 मार्च 1956) एक फ्रांसीसी रसायनज्ञ और भौतिक विज्ञानी थीं। 12 सितंबर 1897 को पेरिस में जन्मी इरें, पियरे और मैरी क्यूरी की बेटी थीं और उन्होंने 1926 में फ्रेडरिक जोलियट से विवाह किया था। पेरिस में विज्ञान संकाय में अपनी पढ़ाई शुरू करने के बाद, उन्होंने प्रथम विश्व युद्ध के दौरान एक नर्स रेडियोग्राफर के रूप में काम किया। 1925 में, उन्होंने पोलोनियम की अल्फा किरणों पर एक थीसिस के साथ विज्ञान में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की। उन्होंने प्राकृतिक और

कृत्रिम रेडियोधर्मिता, तत्व रूपांतरण और नाभिकीय भौतिकी पर-या तो अकेले या अपने पति के साथ-महत्वपूर्ण कार्य किया। उनके संयुक्त शोधपत्र, जिसका शीर्षक था रेडियोधर्मिता तत्वों का कृत्रिम उत्पादन। तत्वों के रूपांतरण की रासायनिक परीक्षा (1934), ने उनके अग्रणी शोध का सारांश प्रस्तुत किया जिसके परिणामस्वरूप उन्हें नोबेल पुरस्कार मिला। जोलियट-क्यूरी ने अपनी वैज्ञानिक पढ़ाई जारी रखी और 1927 में विज्ञान में डिग्री हासिल की। 1928 से उन्होंने अपने वैज्ञानिक प्रकाशनों पर संयुक्त रूप से हस्ताक्षर किए। अपने शोध के दौरान, उन्होंने बोरॉन, एल्युमिनियम और मैग्नीशियम पर अल्फा कणों की बौछार की, जिसके परिणामस्वरूप नाइट्रोजन, फॉस्फोरस और एल्युमिनियम जैसे तत्वों के रेडियोधर्मी समस्थानिकों का निर्माण हुआ, जो सामान्यतः रेडियोधर्मी नहीं होते। इन खोजों ने प्रदर्शित किया कि कृत्रिम रूप से उत्पादित रेडियोधर्मी समस्थानिकों का उपयोग रासायनिक परिवर्तनों और शारीरिक प्रक्रियाओं का पता लगाने के लिए किया जा सकता है, जिससे सफल अनुप्रयोग संभव हो सके। उदाहरण के लिए, थायरॉयड ग्रंथि द्वारा रेडियोआयोडीन के अवशोषण की खोज की गई, और जीवों के चयापचय में रेडियोफॉस्फोरस (फॉस्फेट के रूप में) की पहचान की गई। इन अस्थिर परमाणु नाभिकों के निर्माण ने



दोहन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम चिह्नित किया। एनरिको फर्मी की विधि, जिसमें यूरेनियम विखंडन को प्रेरित करने के लिए अल्फा कणों के बजाय न्यूट्रॉन का उपयोग किया गया था, रेडियोधर्मी तत्वों को कृत्रिम रूप से बनाने के लिए जोलियट-क्यूरी द्वारा विकसित तकनीक का विस्तार थी। चूँकि वे अक्सर रेडियोधर्मी तत्वों को अलग करने के लिए लंबे समय तक काम करते थे, इसलिए वे अक्सर घर से अनुपस्थित रहते थे। परिणामस्वरूप, नही आइरीन जूलियो-क्यूरी का पालन-पोषण उनके दादा यूजीन ने किया, जो एक सेवानिवृत्त चिकित्सक थे और

जिन्होंने उनमें प्रकृति, कविता और क्रांतिकारी राजनीति के प्रति प्रेम का संचार किया। उनकी शिक्षा कुछ हद तक अपरंपरागत थी एक छोटी लड़की के रूप में, उन्होंने अपनी माँ द्वारा संचालित एक सहकारी स्कूल में भाग लिया, जहाँ छह प्रोफेसर अपने बच्चों को भौतिकी और गणित से लेकर जर्मन और कला तक के विषय पढ़ाते थे। क्यूरी परिवार ने 1903 में प्रसिद्ध ग्राम की, लेकिन उनका उत्थान जल्द ही त्रासदी में डूब गया। 1906 में, जब आइरीन आठ साल की थीं, पियरे क्यूरी की एक दुर्घटना में मृत्यु हो गई। इसके बाद से पियरे क्यूरी ने अपनी बेटियों के साथ ज्यादा समय बिताया-आइरीन की बहन ईवा का जन्म पियरे की मृत्यु से 16 महीने पहले हुआ था-और समय के साथ, आइरीन अपनी माँ की विश्वासपात्र और समर्थक बन गईं। प्रथम विश्व युद्ध के दौरान, जूलियो-क्यूरी ने प्रत्यक्ष रूप से देखा कि विज्ञान कैसे जीवन बचा सकता है। उन्होंने तुरंत अपनी माँ की सहायता करना शुरू कर दिया, जिसका मिशन घायल सैनिकों के शरीर में एक्स-रे की उपयोग करके छेँं ढूँढने में फील्ड सर्जनों की मदद करना था। 18 साल की उम्र में, जूलियो-क्यूरी ने मोबाइल फील्ड अस्पतालों में रेडियोलॉजी इकाइयों का प्रबंधन किया, नर्सों को एक्स-रे मशीन चलाने का प्रशिक्षण दिया और बेल्जियम में खुद भी एक एक्स-रे मशीन चलाई। 1935 में, फ्रेडरिक

और इरीन जोलियट-क्यूरी को नए रेडियोधर्मी समस्थानिकों के संश्लेषण के लिए रसायन विज्ञान का नोबेल पुरस्कार दिया गया। इसके बाद जोलियट-क्यूरी परिवार पार्क डी स्को के किनारे स्थित एक घर में रहने चला गया। वे केवल ब्रिटनी के पोपेट डे लाकॉर्ट स्थित अपने घर जाते थे, जहाँ मैरी क्यूरी के समय से ही विश्वविद्यालय के परिवार एकत्रित होते रहे थे। 1950 के दशक में, इरीन के फेफड़ों के स्वास्थ्य के लिए, वे कोटेशेवेल की पहाड़ियों में चले गए। 1937 में कॉलेज डी फ्रांस में प्रोफेसर नियुक्त हुए फ्रेडरिक ने अपने काम का एक हिस्सा विकिरण के नए स्रोतों को विकसित करने में समर्पित किया। उन्होंने आर्गैडल-काचन और इवरी में इलेक्ट्रोस्टैटिक एक्ससेलेरेटर के निर्माण की देखरेख की, साथ ही कॉलेज डी फ्रांस में सात मिलियन इलेक्ट्रॉन-वोल्ट साइक्लोट्रॉन के निर्माण की भी देखरेख की-सोवियत संघ के बाद यूरोप में अपनी तरह का यह दूसरा साइक्लोट्रॉन था। इरें ने अपना ज्यादातर समय अपने बच्चों, हेलेन और पियरे की परवरिश में लगाया। हालाँकि, वह और फ्रेडरिक अपनी सामाजिक और मानवीय जिम्मेदारियों को लेकर भी ऊँचे आदर्श रखते थे। वे 1934 में सोशलिस्ट पार्टी में शामिल हुए और 1935 में कॉमिटे डे विजिलेंस डेस इटैलेकुल्ट्स एंडीफासिस्टेस (फासीवाद विरोधी बुद्धिजीवियों की सतर्कता समिति) में शामिल हो गए। उन्होंने 1936 में स्पेन में रिब्लिक्शन करना शुरू कर दिया। इरें 1936 की पॉपुलर फ्रंट सरकार में तीन महिलाओं में से एक थीं।

नेपाल का लोकतंत्र: पुराने वर्चस्व से नई चुनौती तक

नेपाल हिमालय की गोद में बसा छोटा-सा देश है। आकार में भले छोटा हो, लेकिन राजनीति और जातीय समीकरण के लिहाज से इसकी जटिलता किसी बड़े देश से कम नहीं। नेपाल पिछले तीन दशकों से लोकतंत्र का प्रयोग कर रहा है, लेकिन सच्चाई यह है कि यह लोकतंत्र अब भी अधूरा है। सत्ता और संसाधनों पर एक ही वर्ग का कब्जा है...पहाड़ी ब्राह्मण और क्षत्रिय जातियाँ संसद से लेकर प्रशासन और सेना तक, हर जगह यही जातियाँ हावी हैं। मधेशी, जनजातीय, दलित और महिलाएँ अब भी सत्ता की सीढ़ियों के निचले पायदान पर खड़ी हैं। 2022 में जब 1990 में नेपाल में बहुदलीय लोकतंत्र की वापसी हुई थी। जनता को उम्मीद थी कि अब सत्ता में विविधता आएगी और हर समुदाय को बराबरी का अवसर मिलेगा। लेकिन इसका ठीक उल्टा 1990 से अब तक नेपाल ने 13 प्रधानमंत्री देखा। इनमें से 10 पहाड़ी ब्राह्मण और 3 क्षत्रिय रहे। यानी 35 प्रतिशत मधेशियों की आबादी होने के बावजूद एक भी मधेशी प्रधानमंत्री नहीं बन पाया। जनजातीय और आदिवासी समूह संसद में मौजूद हैं, लेकिन उनके नेता केवल प्रतीकात्मक पदों तक सीमित रहे। दलित और महिलाएँ तो आज भी सत्ता के सबसे हाशिये पर खड़ी हैं। यह तस्वीर बताती है कि नेपाल का लोकतंत्र कितनी गहरी जातीय असमानता से ग्रस्त है। लोकतंत्र के नाम पर चेहरे तो बदले, लेकिन सत्ता का चरित्र वही रहा-ब्राह्मण और



डॉ. सत्यवान सौरभ
भिवानी, हरियाणा

बालेन शाह आज नेपाल के युवाओं के बीच परिवर्तन का प्रतीक बन चुके हैं। 2022 में जब 1990 में नेपाल में बहुदलीय लोकतंत्र की वापसी हुई थी। जनता को उम्मीद थी कि अब सत्ता में विविधता आएगी और हर समुदाय को बराबरी का अवसर मिलेगा। लेकिन इसका ठीक उल्टा 1990 से अब तक नेपाल ने 13 प्रधानमंत्री देखा। इनमें से 10 पहाड़ी ब्राह्मण और 3 क्षत्रिय रहे। यानी 35 प्रतिशत मधेशियों की आबादी होने के बावजूद एक भी मधेशी प्रधानमंत्री नहीं बन पाया। जनजातीय और आदिवासी समूह संसद में मौजूद हैं, लेकिन उनके नेता केवल प्रतीकात्मक पदों तक सीमित रहे। दलित और महिलाएँ तो आज भी सत्ता के सबसे हाशिये पर खड़ी हैं। यह तस्वीर बताती है कि नेपाल का लोकतंत्र कितनी गहरी जातीय असमानता से ग्रस्त है। लोकतंत्र के नाम पर चेहरे तो बदले, लेकिन सत्ता का चरित्र वही रहा-ब्राह्मण और

क्षत्रिय केंद्रित। नेपाल की आधी से ज्यादा आबादी 35 साल से कम उम्र की है। यही वह नई पीढ़ी है जिसे जनरेशन-कहा जाता है। यह सोशल मीडिया, पॉप कल्चर और वैश्विक राजनीति से जुड़ी हुई है। इनके लिए जाति और वंश ही राजनीति पुरानी और अप्रासंगिक है। यह पीढ़ी पारदर्शिता चाहती है, समान अवसर चाहती है और सबसे बड़ी बात यह है कि यह बदलाव को केवल सोचनी नहीं बल्कि मांग भी करती है। यही कारण है कि काठमांडू के मेयर बालेन शाह ने काठमांडू के मेयर का चुनाव जीता तो यह केवल एक चुनाव नहीं था, बल्कि सत्ता की पुनर्प्राप्ति और पुरानी धारणाओं पर सीधी चोट थी। काठमांडू दशकों से मुख्यधारा की 'पाठि' थो-ने पाली कांग्रेस, UML और माओवादी केंद्र-का गढ़ माना जाता था। लेकिन शाह ने स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में सबको चौंका दिया। वे न तो परंपरागत राजनीति से आए थे और न ही किसी जातीय वंश से जुड़े थे। उनकी पृष्ठभूमि हिप-हॉप कलाकार और इंजीनियर की थी। वे मधेशी भी हैं और बौद्ध भी। यानी हर लिहाज से नेपाल की मुख्यधारा की राजनीति से बिल्कुल अलग। उनकी जीत ने यह संदेश दिया कि जनता अब विकल्प चाहती है। खासकर युवा पीढ़ी, जो बार-बार जातीय गणित से चलने वाली राजनीति से ऊब चुकी है।



अमेरिका निवासी मेरे थोरे बहनों और भाइयों, 11 सितंबर 1893 को, विश्व धर्म संसद में जैसे ही स्वामी जी ने इस उद्घोष के साथ अपना भाषण प्रारंभ किया, शिकागो के आर्ट इंस्टिट्यूट में उपस्थित विश्व के कोने-कोने से एकत्रित सभी धर्मों के 7000 प्रतिनिधि किसी अदृश्य शक्ति के आकर्षण से खिंचे होकर स्वामी जी का सम्मान करने को प्रेरित हो गए। दो मिनट तक अनवरत तालियाँ बजती रहीं। शिकागो में 11 सितंबर 1893 से प्रारंभ होकर विश्व धर्म संसद 27 सितंबर 1893 तक लगातार 17 दिन चलती रही। इसमें से 6 दिन स्वामी जी ने अपना भाषण दिया। उनका महत्वपूर्ण भाषण 19 सितंबर और 20 सितंबर का रहा। यहाँ बहुत ही रक्षेप में उनके भाषण के कुछ अंश आपको बताते हैं...

उनसे सितंबर को स्वामी जी ने अपना भाषण हिंदू धर्म पर दिया। स्वामी जी ने अपने भाषण में कहा - ऐतिहासिक युग के पूर्व के केलव तीन ही धर्म आज संसार में विद्यमान हैं - हिंदू धर्म, पारसी धर्म, और यहूदी धर्म। ये तीन धर्म

अनेकानेक प्रचंड आघातों के पश्चात भी लुप्त ना होकर आज भी जीवित है। यह उनकी आंतरिक शक्ति का प्रमाण है पर जहाँ हम यह देखते हैं कि यहूदी धर्म, ईसाई धर्म को नहीं पचा सका, वरन् अपनी सर्व विजयी संतान ईसाई धर्म द्वारा अपने जन्म स्थान से निर्वासित कर दिया गया, और यह कि केवल मुड़ीभर पारसी ही अपने महान धर्म की गाथा गाते के लिए अब अवशेष हैं। वहाँ भारत में एक के बाद एक अनेक धर्म यथों का उद्भव हुआ और वे पंथ वेदप्रणीत धर्म को जड़ से हिलाते से प्रतीत हुए। पर भयंकर भूकंप के समय समुद्री किनारों की जल तरंगों के समान यह धर्म कुछ समय के लिए इसलिये पीछे हट गया कि वह तत्पश्चात हजार गुना अधिक बलशाली होकर सबको डुबाने वाली बाढ़ के

रूप में लौट आए, और जब यह सारा कोलाहल शांत हो गया, तब सारे धर्म संप्रदाय अपनी जन्म दात्री मूल हिंदू धर्म की विराट काया द्वारा आत्मसात कर लिया गए, पचा लिए गए। बीस सितंबर को अपने भाषण में स्वामी जी ने ईसाई धर्म के लिए क्या कर सकते हैं पर बोलते हुए कहा- आप लोग अपने धर्म उपदेशक अन्य देशों में भेजकर मूर्ति पूजकों को अपने धर्म में लाने के लिए तो बड़े उत्सुक हैं पर जो लोग अत्र बिना मर रहे हैं, उन्हें बचाने के लिए आप कोई उपाय क्यों नहीं करते? भारतवर्ष में जब भयानक अकाल पड़ा था तो सहस्रों और लाखों हिंदू भूख से पीड़ित होकर मर गए पर आप सब ईसाईयों ने उनके लिए कुछ नहीं किया। आप लोग थोरे हिंदुस्तान में गिरजे उनके दादा यूजीन ने किया, जो एक सेवानिवृत्त चिकित्सक थे और

नहीं है, उनके यहाँ तो वैसे ही आवश्यकता से अधिक धर्म हैं। वहाँ अभाव है रोटी का, अन्न का। हिंदुस्तान के लाखों भूखे लोग सूखे गले रोटी रोटी, चिंहा रहे हैं। वे तो हमसे अन्न मांगते हैं और हम उन्हें देते हैं परन्तु। भूखों को धर्म का उपदेश देना उनका अनादर और तिरस्कार करना है स्वामी विवेकानंद का कहना था दुनिया क्या कहगी ऐसा सोचना ही कमजोरी है, तुम्हें खुद जो अच्छा जान पड़ता है, वही करो, जीवन का रहस्य यही है। उन्होंने आगे कहा पुराने धर्म में नास्तिक उसे कहते थे जो ईश्वर में विश्वास नहीं करता था परंतु नया धर्म उसे नास्तिक कहता है जिसे स्वयं में विश्वास नहीं इस प्रकार स्वामी विवेकानंद ने विश्व धर्म सम्मेलन

में भूखे लोगों को लालच देकर धर्म परिवर्तन करवाने वाली ईसाई मिशनरियों को खुले आम दुल्कारने का साहस शिकागो में सात हजार विश्व प्रतिनिधियों के सामने किया। भारतीय संस्कृति और धर्म का महत्व बताकर साबित किया कि भारत क्यों विश्व गुरु है। अगर आज के समय में स्वामी विवेकानंद ने ऐसा बोला होता तो हमारे देश में ही हजारों लोग उनके विरोध में खड़े हो गए होते। हमारी सरकारों और कानून धर्म परिवर्तन के इस षड्यंत्र को रोकने में नाकाम रहे हैं। स्वामी विवेकानंद कहते थे, उठो जागो और लक्ष्य प्राप्ति तक रुको मत। स्वामी विवेकानंद से प्रेरित होकर सन 1925 में डॉक्टर केशवराज बलिराम हेडगवार ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की। इस वर्ष 100 वर्ष पूरे होने पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ देश के नागरिकों में राष्ट्र प्रेम की भावना और उनका समाज के प्रति

दायित्व का भाव जगा रहा है। जिसके लिए देश के युवाओं को मानसिक और शारीरिक रूप से मजबूत बनाने का कार्यक्रम योग के माध्यम से निरंतर किया जा रहा है। स्वामी जी की तर्ज पर ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंचालक मोहन भागवत ने भी कहा है कि हिंदू समाज 1000 वर्षों से अधिक समय तक प्रताड़ित और युद्ध ग्रस्त रहा। विदेशी आक्रांताओं ने तमाम षड्यंत्र के द्वारा यहाँ के हिंदुओं का धर्म परिवर्तन किया। यहाँ के मंदिरों को उजाड़ा यह सब ऐतिहासिक तथ्य हैं। ऐसे में आज राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ही एकमात्र संगठन है।

अतिविरा जैन पराग
समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटीक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

घटती घटना

सरगुजा-समाचार

अम्बिकापुर, शुक्रवार 12 सितम्बर 2025

3

पेंशनर्स समाज द्वारा स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन 13 को

-संवाददाता-

अम्बिकापुर, 11 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ पेंशनर्स समाज, जिला सरगुजा इकाई द्वारा प्रतिमाह होने वाली मासिक बैठक को स्वास्थ्य जागरूकता के साथ जोड़ते हुए शनिवार को स्थानीय सियान सदन भवन नमनाकला में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया है। शिविर सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक चलेगा। मुख्य अतिथि के रूप में महापौर मंजुषा भगत एवं अध्यक्षता सभापति हरमंदिर सिंह टिनी करेंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में करताराम गुप्ता, पार्षद मनोज गुप्ता एवं रविन्द्र भारती शामिल होंगे। शिविर में डॉ. स्नेहा सिंह (स्त्री रोग), डॉ. विनय कार्तिक (हृदय रोग), डॉ. सूरज राठिया (न्यूरो सर्जन), डॉ. देवांगन पाल चौधरी (लेप्रोकोपिक सर्जन) एवं एम. मेडिसिन अपनी सेवाएं देंगे। पेंशनर्स समाज के अध्यक्ष हरिशंकर सिंह ने सभी सदस्यों से अधिक संख्या में उपस्थित होकर शिविर का लाभ उठाने की अपील की है।

सर्पदंश से होटल में काम करने वाली महिला की मौत

-संवाददाता-

अम्बिकापुर, 11 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

होटल में काम करने के बाद सो रही महिला को करैत सांप डस लिया, क्षेत्रीय अस्पताल से रेफर करने पर स्वजन उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल अम्बिकापुर लेकर पहुंचे, लेकिन उसकी मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक कोरिया जिला के पटना थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम डुमरिया निवासी रितेश साहू के कान्हा स्वीट्स में उद्योग धाना क्षेत्र के ग्राम लालपुर की सीमा मिंज पति मथुरा मिंज 40 वर्ष, काम करती थी। होटल संचालक ने पुलिस को बताया है कि गायत्री मंदिर, पंडोपारा में वह होटल का संचालन करता है। मृतिका सीमा मिंज उसके यहां पिछले छह माह से काम कर रही थी। 11 सितम्बर की रात को काम करने के बाद वह होटल में सोई थी, एक अन्य कर्मचारी जयशंकर गोड़ भी सोया था। देर रात 2 बजे सीमा मोबाइल में फोन करके बताई कि उसके पैर में करैत सांप काट लिया है। लगभग 15 मिनट बाद वह होटल पहुंचा तो उसके दाहिने पैर के बीच की उंगली में करैत सांप काटा था, और वह बातचीत कर रही थी। आनन-फानन में वह मोटरसाइकिल से महिला को पटना स्वास्थ्य केन्द्र लेकर गया, यहां से प्राथमिक चिकित्सा के बाद रेफर करने पर जिला अस्पताल बैकुंठपुर में भर्ती कराया था। यहां से भी लगभग एक डेढ़ घंटे बाद आवश्यक उपचार सुविधा मुहैया करने के बाद चिकित्सक ने उसे रेफर कर दिया। घटना की जानकारी स्वजन को देने के बाद उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल अम्बिकापुर लाया गया, यहां आपातकालीन चिकित्सा परिसर में चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है। पुलिस ने मृतिका के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन को सौंप दिया है।

नेपाल में हिंसा के बीच सरगुजा के पांच युवक फंसे सरकार के हस्तक्षेप से सुरक्षित वापसी की उम्मीद



-संवाददाता-

अम्बिकापुर, 11 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

नेपाल में हाल ही में भड़की भीषण हिंसा और अशांति के बीच सरगुजा जिले के 5 युवक वहां फंसे गए हैं। नेपाल में आगजनी और विरोध-प्रदर्शनों के चलते हालात बेहद तनावपूर्ण बने हुए हैं, जिससे आम जनजीवन प्रभावित है और बाहर से आए पर्यटकों की वापसी कठिन हो गई है। इसी बीच अम्बिकापुर के सदर रोड निवासी मोहित जितेंद्र अपने चार अन्य मित्रों अनमोल अग्रवाल, अम्बर जैन, वेदप्रकाश पाण्डेय और शंभु सुन्दार के साथ 3 सितंबर को निजी कार से नेपाल भ्रमण पर गए थे। नेपाल में अचानक बिगड़े हालात के कारण इन युवकों की वापसी में परेशानी आने लगी। स्थिति गंभीर होते देख मोहित जितेंद्र ने व्हाट्सएप के माध्यम से अपने परिजनों को नेपाल में फंसे होने की सूचना दी। युवकों के परिजनों ने तत्परता दिखाते हुए अम्बिकापुर के विधायक और छत्तीसगढ़ सरकार में मंत्री राजेश अग्रवाल से संपर्क किया और पूरी स्थिति से अवगत कराया। घटना की संवेदनशीलता को समझते हुए मंत्री राजेश अग्रवाल ने तत्काल मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को मामले की जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने विदेश मंत्रालय और भारतीय दूतावास से संपर्क कर नेपाल में फंसे युवकों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। परिजनों के मुताबिक सभी युवक वर्तमान में सुरक्षित हैं और संपर्क में हैं। सरकार और एंबेसी के सहयोग से जल्द वापसी की संभावना जताई जा रही है।

प्राचार्य का गुदरी बाजार से आईफोन चोरी

-संवाददाता-

अम्बिकापुर, 11 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

हाईस्कूल कर्म में प्राचार्य के पद पर पदस्थ अशोक कुमार वर्मा का आईफोन गुदरी बाजार से सब्जी लेते समय अज्ञात लोगों ने पार कर दिया। काफ़ी खोजबीन के बाद भी मोबाइल का पता नहीं चलने पर प्राचार्य ने घटना की रिपोर्ट कोतवाली थाना में दर्ज कराई है। प्राचार्य ने तत्संबंध में दी गई लिखित शिकायत में बताया है कि वह अपने घर से गुदरी बाजार सब्जी लेने गया था। घटना दिनांक 9 सितम्बर को सुबह 9 बजे सब्जी खरीदते समय बाएं पैर के पॉकेट से आईफोन किसी ने चोरी की लिया, जिसकी कीमत 45 हजार रुपये है। पुलिस ने मामले में केस दर्ज कर लिया है और तकनीकी जानकारी हासिल करके मोबाइल चोर के तलाश में लगी है।

रामगढ़ पर्वत को लेकर भाजपा समिति ने किया निरीक्षण टीएस सिंहदेव बोले...मुद्दे को बनाया जा रहा राजनीतिक

-संवाददाता-

अम्बिकापुर, 11 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

रामगढ़ पर्वत को लेकर अस्तित्व को लेकर चल रही बहस के बीच भारतीय जनता पार्टी द्वारा गठित रामगढ़ पर्वत अध्ययन समिति ने गुरुवार को क्षेत्र का दौरा कर स्थलीय निरीक्षण किया। समिति ने अपने निरीक्षण के बाद कहा कि वर्तमान में रामगढ़ पर्वत को किसी प्रकार का सीधा खतरा नहीं दिखता और खनन के कारण दरारें आने के कोई स्पष्ट प्रमाण नहीं मिले हैं। समिति ने पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव पर इस मुद्दे को राजनीतिक रंग देने का आरोप लगाया है। गौरतलब है कि कुछ दिन पूर्व टीएस सिंहदेव ने एक प्रेस वार्ता कर यह बयान दिया था कि रामगढ़ पर्वत का अस्तित्व खतरे में है, और कोल ब्लॉक की ब्लास्टिंग के कारण पर्वत पर दरारें आ रही हैं, जिससे यह आस्था का केंद्र क्षतिग्रस्त हो रहा है। उन्होंने इस विषय को गैर-राजनीतिक रूप से उठाते हुए रामगढ़ संरक्षण मंच के गठन की भी घोषणा की थी। रामगढ़ क्षेत्र का निरीक्षण करने पहुंचे अध्ययन समिति में पूर्व विधायक शिवरतन शर्मा (समिति संयोजक), पर्यटन एवं सांस्कृतिक मंत्री



भाजपा मंत्री बोले...आस्था का विषय, कोई खतरा नहीं दिखता

पर्यटन एवं सांस्कृतिक मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि रामगढ़ मंदिर मेरे लिए आस्था का केंद्र है और मैं नियमित रूप से यहां आता रहा हूं। पर्वत की स्थिति में मुझे कोई बड़ा परिवर्तन नहीं दिखा। जो पहले था, वही अब भी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि भविष्य में कोई भी खनन गतिविधि पर्वत को नुकसान पहुंचाती है तो वे खुद इसका विरोध करेंगे। उन्होंने भाजपा की नीतियों का हवाला देते हुए कहा कि पार्टी ने सदैव धार्मिक और सांस्कृतिक स्थलों के संरक्षण को प्राथमिकता दी है।

राजेश अग्रवाल, विधायक रेणुका सिंह और भाजपा प्रदेश महामंत्री अखिलेश सोनी शामिल थे। निरीक्षण के दौरान समिति ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों, ग्रामीणों और समाज प्रमुखों से मुलाकात कर उनकी राय जानी। समिति का दावा है कि बातचीत और स्थलीय अध्ययन में उन्हें ऐसा कोई प्रमाण नहीं मिला जिससे यह कहा जा सके

कि खनन से पर्वत को नुकसान हो रहा है। शिवरतन शर्मा ने कहा कि रामगढ़ पर्वत का निरीक्षण करने पर हमने पाया कि यहां की स्थिति पिछले 15-20 वर्षों से समान है। जो दरारें देखी जा रही हैं वे स्वाभाविक जल रिसाव और बरसात के कारण हैं। खनन को इनसे जोड़ना तर्कसंगत नहीं। उन्होंने यह भी कहा कि वर्ष 2020 में कोल ब्लॉक की अनुमति संबंधित रिपोर्ट कलेक्टर ने दी थी, जब कांग्रेस की सरकार थी और टीएस सिंहदेव मंत्री थे। उस समय यह मुद्दा क्यों नहीं उठाया गया-यह प्रश्न खड़ा करता है।

मैंने मुद्दे को गैर-राजनीतिक रूप से उठाया

पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने भाजपा समिति द्वारा उनके नाम का उल्लेख किए जाने पर नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि मैंने स्वयं समिति के सदस्यों से फोन पर बात कर सरगुजा की जनभावनाओं का ख्याल रखने का अनुरोध किया था। मेरा प्रयास था कि यह विषय पूरी तरह गैर-राजनीतिक रहे। उन्होंने आरोप लगाया कि समिति द्वारा 2020 की अनुमति और कांग्रेस सरकार के समय की बात उठाकर इस पूरे मुद्दे को राजनीतिक मोड़ देने की कोशिश की जा रही है। सिंहदेव ने दावा किया कि मेरे विधायक रहते हुए इस क्षेत्र में एक पेड़ की शाखा तक नहीं काटी गई, जबकि भाजपा के सत्ता में आते ही 5 दिनों में पेड़ों की कटाई शुरू हो गई। मेरे कार्यकाल में ही केंते एक्सटेंशन खदान का प्रस्ताव निरस्त हुआ और विधानसभा में इसे रद्द करने का संकल्प भी पारित हुआ।

गर्भवती महिला पर भालू का हमला 108 एंबुलेंस में सुरक्षित प्रसव, मां-बेटे दोनों स्वस्थ

-संवाददाता-

अम्बिकापुर, 11 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

मनेन्द्रगढ़ ब्लॉक के ग्राम छिरछ, पंचायत बिहारपुर की रहने वाली 30 वर्षीय शांति बाई पर सोमवार सुबह करीब 6 बजे खेत जाते समय जंगली भालू ने हमला कर दिया। नौ माह की गर्भवती शांति बाई को चेहरे पर गंभीर चोटें आईं। किसी तरह घायल अवस्था में वह घर पहुंची, जहां से परिजनों ने उन्हें निजी वाहन से मनेन्द्रगढ़ अस्पताल पहुंचाया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए उन्हें अम्बिकापुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। वहां डॉक्टरों ने तत्काल रायपुर रेफर करने का निर्णय लिया। अम्बिकापुर से रायपुर तक की



यात्रा के लिए 108 एंबुलेंस की व्यवस्था की गई। रास्ते में, ग्राम मंडई के पास रात करीब 8:45 बजे शांति बाई को प्रसव पीड़ा शुरू हुई। एंबुलेंस में तैनात ईएमटी सलैद सिंह और पायलट खेल

साय ने स्थिति को भांपते हुए एंबुलेंस में ही सुरक्षित प्रसव करवाया। रात 9:11 बजे शांति बाई ने एक स्वस्थ बच्चे को जन्म दिया। यह उनका आठवां बच्चा है। प्रसव के बाद मां और नवजात को सुरक्षित रूप से रायपुर के मेकाहारा अस्पताल में भर्ती कराया गया। शांति बाई को चेहरे की गंभीर चोटों के लिए डीकेएस अस्पताल में प्लास्टिक सर्जरी हेतु भेजा गया है। यह घटना एक और मानव-व्यंजीव संघर्ष की गंभीरता को दर्शाती है, वहीं दूसरी ओर 108 एंबुलेंस सेवा की तत्परता और संवेदनशीलता की मिसाल भी पेश करती है। ई एम टी और पायलट की सुझाव से मां और बच्चा दोनों की जान बच सकी।

शासकीय नवीन महाविद्यालय चांदनी बिहारपुर में छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव के अवसर पर विविध कार्यक्रम किया गया आयोजित

-संवाददाता-

सूरजपुर, 11 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

शासकीय नवीन महाविद्यालय चांदनी बिहारपुर में छत्तीसगढ़ शासन के दिशा निर्देशानुसार, आज छत्तीसगढ़ राज्य के रजत जयंती के तत्वाधान में राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए। रासेयो कार्यक्रम अधिकारी और एनईवी नोडल धीरेंद्र कुमार जायसवाल के संचालन में आयोजित इस कार्यक्रम में अपने उद्बोधन में छत्तीसगढ़ राज्य विकास क्रम में छत्तीसगढ़ को 25 वर्ष होने जा रहे हैं इस पर छत्तीसगढ़ ने इन 25 सालों में क्या पाया और क्या नहीं पाया विकास की गति कितनी तेज रही कौन से विकास क्रम में कोई विकास का क्रम धीरे रहा और आज का यह युवा पीढ़ी अपने आप को इस राज्य में किस स्थिति में देख रहा है



इन सभी बातों पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम में उक्त सभी बातों पर भाषण प्रतियोगिता क्रिज प्रतियोगिता वाद विवाद प्रतियोगिता छात्रों के बीच कराई गई जिसमें कई छात्र-छात्राओं ने छत्तीसगढ़ राज्य के विकास क्रम में अपना अच्छा विचार रखे, भाषण में करिश्मा क्रिज में ज्योति और वादविवाद में नीतेश प्रथम रहे। महाविद्यालय के

शिक्षक गण सचिन कुमार मिंज, पिटू कुमार गुप्ता निम्ननिवास पटेल ने छत्तीसगढ़ राज्य के विकास पर हम और अच्छा करें, इस पर अपने विचार रखे। इस अवसर पर महाविद्यालय के अधिक संख्या में छात्र-छात्राओं ने भाग लेकर रजत जयंती जैसे कार्यक्रम को सफल बनाने में अपनी विशेष भूमिका निभाई।

सड़कों पर आवारा व घायल पशुओं की सुरक्षा हेतु रेस्क्यू वाहन हुआ रवाना

-संवाददाता-

बलरामपुर, 11 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

सड़कों पर घुमटू एवं असहाय पशुओं की सुरक्षा एवं देखभाल के लिए पशुपालन विभाग तथा रक्षा वेलफेयर फाउंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में संयुक्त जिला कार्यालय परिसर में रेस्क्यू वाहन को रेड क्रॉस सोसाइटी के अध्यक्ष श्री ओमप्रकाश जायसवाल एवं नगर पालिका बलरामपुर के अध्यक्ष



श्री लोधीराम एक्का के द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री आर.एस. लाल, पशु पालन विभाग

के उप संचालक डॉ. श्री शिशिर कान्त पाण्डेय एवं अन्य जनप्रतिनिधिगण तथा संस्था से जुड़े पदाधिकारी व गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। रेस्क्यू वाहन के संबंध में जानकारी दी गई है कि वाहन नगरीय निकायों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कों पर घायल, बीमार एवं आवारा पशुओं को रेस्क्यू वाहन उपचार एवं सुरक्षित स्थान पर पहुंचाएगा।

छात्रों को भारतीय सेना में भर्ती के लिए किया गया जागरूक



-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 11 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

भारतीय सेना में सेवा देने के इच्छुक युवाओं को मार्गदर्शन देने के उद्देश्य से सेना भर्ती कार्यालय रायपुर से आए सहायक भर्ती अधिकारी मेजर रवेश कुमार एवं हवलदार स्वर्ण सिंह द्वारा

मल्टीपरपज अम्बिकापुर में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विकासखंड अम्बिकापुर के सभी संकुलों से आए विद्यार्थियों को अग्निवीर योजना, नियमित भारतीय सेना भर्ती तथा जूनियर कमीशंड अधिकारी भर्ती के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।

इस अवसर पर संस्था के प्राचार्य शांति मरियम, विकासखंड शिक्षा अधिकारी अलोक कुमार सिंह, एपीसी करुणेश श्रीवास्तव, विकासखंड स्रोत समन्वयक संजय कुमार भारती, एवं एनसीसी अधिकारी नवीन त्रिपाठी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने छात्रों को बताया कि भारतीय सेना में अग्निवीर के

तहत जनरल ड्यूटी, महिला सैन्य पुलिस, तकनीकी सेवा, कार्यालय सहायक, सिपाही फार्मा, हवलदार सर्वेयर आदि पदों पर भर्ती होती है। छात्रों को उम्र सीमा, शैक्षणिक योग्यता, चयन प्रक्रिया और आवश्यक शारीरिक दक्षता मापदंडों की भी जानकारी दी गई। मेजर रवेश कुमार ने बताया कि यह कार्यक्रम

सेना में सर्म्पित युवाओं को देशसेवा का अवसर देने के उद्देश्य से हर वर्ष विद्यालयों में आयोजित किया जाता है। इस कार्यक्रम में संस्था के.के. रा. रमेश राय, अजय श्रीवास्तव, संकुल समन्वयक राजेश कुमार सोनी, नरेश पांडेय, विनय यादव, बिलास अंसारी एवं निरंजन विश्वास सहित अनेक शिक्षकगण उपस्थित थे।

जनपद पंचायत लुण्डा में कर्मयोगी अभियान कार्यशाला सम्पन्न स्वास्थ्य, शिक्षा, जल आपूर्ति, स्वच्छता एवं आजीविका के मिलेंगे अवसर : विधायक श्री मिंज

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 11 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

जनपद पंचायत लुण्डा के सभा कक्ष में कर्मयोगी अभियान (धरती आबा) कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लुण्डा विधायक श्री प्रबोध मिंज मुख्य अतिथि शामिल हुए। इस दौरान विधायक श्री मिंज ने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए हमें सामूहिक प्रयास करना होगा। उन्होंने बताया कि इस अभियान के अंतर्गत 25 कार्यक्रम शामिल किए गए हैं, जो स्वास्थ्य, शिक्षा, जल आपूर्ति, स्वच्छता एवं आजीविका के अवसरों पर केंद्रित हैं। उन्होंने कहा कि जनजातीय क्षेत्रों में सामाजिक एवं बुनियादी ढांचे में सुधार इस अभियान का मुख्य उद्देश्य है। इसके अंतर्गत एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय,



मोबाइल मेडिकल यूनिट, आयुष्मान कार्ड, रोजगार एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम जैसे पहलें शामिल हैं। विधायक ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में हमारी सरकार की पहली प्राथमिकता नागरिकों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाना है। इस अवसर पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री देवनारायण यादव, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती कृष्णा पावले, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती कंचन जायसवाल, विधायक प्रतिनिधि श्री जयंत मिंज, जनपद सदस्य श्री राजेश सोनी, सभी जनपद सदस्य, सरपंचगण एवं भारी संख्या में ग्रामीणजन एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

घटती घटना

सरगुजा अंतर्राष्ट्रीय-समाचार

अम्बिकापुर, शुक्रवार 12 सितम्बर 2025

4

इजराइल का 72 घंटों में 6 मुस्लिम देशों पर हमला

200 की मौत, 1000 घायल, नेतन्याहू बोले... जो अमेरिका ने किया, वही कर रहे...

यरुशलम, 11 सितम्बर 2025। इजराइल ने पिछले 72 घंटों में 6 देशों पर हमला किए हैं। इसमें गाजा (फिलिस्तीन) समेत सीरिया, लेबनान, कतर, यमन और ट्यूनीशिया शामिल हैं। इन हमलों में 200 से ज्यादा लोग मारे गए और 1000 से ज्यादा घायल हुए हैं। ये हमले सोमवार से बुधवार के बीच में किए गए। इजराइल का कहना है कि वो इन देशों में आतंकी ठिकानों को निशाना बना रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने इसे लेकर इजराइली पीएम नेतन्याहू से नाराजगी जताई है। हालांकि इजराइली पीएम नेतन्याहू ने कतर की राजधानी दोहा में हमला के अधिकारियों पर किए गए हमले का बचाव किया। उन्होंने इस हमले की तुलना 9/11 के हमलों के बाद अमेरिका की कार्रवाई से की। उन्होंने कहा इजराइल ने भी वही किया जो अमेरिका ने उस वक़्त किया था।

कतर-इजराइली हमले से 6 लोगों की मौत

इजराइली सेना ने मंगलवार को कतर की राजधानी दोहा पर हवाई हमला किया था। यह हमला हमला के चीफ खलील अल-हय्या को निशाना बनाकर किया



लेबनान-5 की मौत

इजराइल ने सोमवार को पूर्वी लेबनान के बेका और हरमेल जिलों में हवाई हमले किए, जिसमें 5 लोगों की जान गई। इजराइली सेना ने दावा किया कि इस हमले में हिजबुल्लाह के सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया। हालांकि हिजबुल्लाह ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। मंगलवार को इजराइली ड्रोन ने हिजबुल्लाह के एक सदस्य पर हमला किया था। नवंबर 2024 में इजराइल और लेबनान में सीजफायर हुआ था। लेकिन इसके बाद भी इजराइल लेबनान के दक्षिणी हिस्से पर हमले करता रहा है।

गया था। इसमें अल-हय्या का बेटा, ऑफिस डायरेक्टर, तीन गाड़ी और एक कतरी सुरक्षा अधिकारी समेत छह लोग

6 लोगों की मारे गए थे। इस हमले के वक़्त हमला नेता अमेरिका के युद्धविरोध प्रस्ताव पर आपस में चर्चा कर रहे थे।



सीरिया-हताहतों की जानकारी नहीं

इजराइली फाइटर जेट ने सोमवार को सीरिया के एयरफोर्स बेस और सेना के कैप पर हमले किए। सीरियन ऑब्जेक्टिविटी फॉर ह्यूमन राइट्स के मुताबिक इसमें किसी के हताहत की सूचना नहीं मिली है। इन हमलों को सीरिया के विदेश एवं प्रवासी मंत्रालय ने देश के संप्रभुता का उल्लंघन बताया। उन्होंने कहा कि इजराइल राष्ट्रीय और क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए खतरा है। सीरिया और इजराइल में 1974 में सैन्य वापसी समझौते के तहत एक दूसरे पर हमला न करने पर सहमति बनी थी। लेकिन पिछले साल दिसंबर में सीरिया के पूर्व राष्ट्रपति बशर अल-असद के पतन के बाद से इजराइली सेना लगातार सीरिया के सैन्य ठिकानों और इन्फ्रास्ट्रक्चर को निशाना बना रही है। स्टाफ़ की रिपोर्ट बताती है कि इस साल इजराइल ने सीरिया पर 86 हवाई और 11 जमीनी हमले किए हैं। इसमें 61 लोग मारे गए और 135 जगहों को निशाना बनाया गया है।

यमन-10 लोगों की मौत

इजराइल ने बुधवार को यमन की राजधानी सना पर 15 दिनों में दूसरा हमला किया। इसमें हूती ठिकानों को निशाना बनाया गया। यह हमला सना हवाई अड्डे पर किया गया था। इसमें पहले 28 अगस्त को इजराइल ने सना पर हमला किया था, जिसमें हूती प्रधानमंत्री अहमद अल-रहावी समेत 10 लोग मारे गए थे और 90 लोग घायल हुए थे।

गाजा- 150 लोगों की मौत

इजराइली हमलों से सोमवार को गाजा में करीब 150 लोग मारे गए हैं और 540 घायल हुए। गाजा में 2023 से अब तक कुल 64,600 से ज्यादा फिलिस्तीनी मारे जा चुके हैं। गाजा में अब तक 400 लोग भुखमरी से और हजारों लोग मलबे में दबकर मारे जा चुके हैं। गाजा का लगभग 75% हिस्सा इजराइल के कब्जे में है।

ट्यूनीशिया- एक भी मौत नहीं

इजराइली ड्रोन ने सोमवार को रात में ट्यूनीशिया के पोर्ट पर फैमिली बोट पर हमला दिया। इस जहाज में 6 लोग सवार थे, जो पुर्तगाली झंडा लगाकर यात्रा कर रहे थे। तस्ब के मुताबिक, इस हमले में किसी की जान नहीं गई। इजराइली ड्रोन ने मंगलवार को भी ब्रिटेन का झंडा लगाकर यात्रा कर रहे जहाज को निशाना बनाया था। 2010 से अब तक गाजा के इलाके में घुसने की कोशिश करने वाले जहाजों पर इजराइली ड्रोन हमला कर रहे हैं।

नेपाल हिंसा में 5 अरब का हिल्टन होटल तबाह

बीमा कंपनियों का अनुमान-31 अरब का वलेम संभव, यह 2015 के भूकंप से 3 गुना ज्यादा

काठमांडू, 11 सितम्बर 2025। नेपाल में हुई हिंसा में प्रदर्शनकारियों ने काठमांडू के सबसे ऊँचे हिल्टन होटल में आग लगा दी थी। यह होटल पिछले साल जुलाई में बनकर तैयार हुआ था। इसमें 5 अरब भारतीय रुपए खर्च हुए थे। हिल्टन काठमांडू का सबसे ऊँचा 5 स्टार होटल है, जिसे नेपाल के शंकर के ग्रुप ने बनवाया है। इसमें विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए आधुनिक सुविधाएँ थीं। इस होटल ने नेपाल को अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन के नक्शे पर मजबूत पहचान दी थी। प्रदर्शनकारियों ने सिंह दरबार, सुग्रीम कोट, राष्ट्रपति निवास समेत दर्जनों सरकारी-निजी इमारतों में आग लगा दी। ऐसा अनुमान है कि इससे नेपाल को अरबों की संपत्ति का नुकसान हुआ है। सबसे ज्यादा नुकसान 9 सितंबर को हुआ, लेकिन सेना के सुरक्षा संचालन के बावजूद 10 सितंबर को भी कई जगहों से नुकसान की खबरें आती



रहीं। नेपाल इश्योर्स एसोसिएशन के मुताबिक बीमा कंपनियों को लगभग 31 अरब भारतीय रुपए से अधिक के क्लेम का सामना करना पड़ सकता है। यह नुकसान 2015 में आए भूकंप से भी तीन गुना ज्यादा है। बीमाकर्ता और बैकर्स का मानना है कि

यह नेपाल के लिए सबसे खराब दौर है। एनआईए और नेपाल राष्ट्र बैंक मिलकर नुकसान की जानकारी जुटा रहे हैं। इमारतें जिन्हें हिंसक प्रदर्शन में सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचा : हिल्टन होटल के अलावा प्रदर्शनकारियों ने

पाकिस्तानी सेना का दावा : खैबर पख्तूनख्वा में तीन अलग-अलग मुठभेड़ों में मार गिराए 19 आतंकवादी

पेशावर, 11 सितम्बर 2025। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में सुरक्षा बलों ने प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के 19 आतंकवादियों को तीन अलग-अलग मुठभेड़ों में मार गिराया है। पाकिस्तानी सेना ने गुरुवार को यह जानकारी दी। इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने गुरुवार को बताया कि यह कार्रवाई 10 सितंबर की देर रात की गई। कार्रवाई खुफिया जानकारी के आधार पर मोहम्मद, उत्तर वजीरिस्तान और बन्नु जिलों में की गई। मोहम्मद जिले में हुए ऑपरेशन के दौरान सुरक्षा बलों की आतंकवादियों के पास से हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किया गया है। पुलिस ने बताया कि इसी बीच अज्ञात आतंकवादियों ने



ऑपरेशन उत्तर वजीरिस्तान जिले के दत्ता खेल इलाके में किया गया, जहाँ चार आतंकवादियों को सुरक्षा बलों ने मार दिया। वहीं, एक अन्य मुठभेड़ में बन्नु जिले में एक आतंकवादी मारा गया। इन आतंकवादियों के पास से हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किया गया है। पुलिस ने बताया कि इसी बीच अज्ञात आतंकवादियों ने

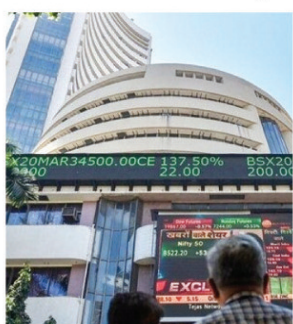
बुधवार रात लक्की मरवात जिले के नासर खेल इलाके में खुफिया एजेंसी के एक अधिकारी के घर को ढहा दिया और उनके हथियार लेकर फरार हो गए। आतंकवादी जबरन घर में घुसे। फिर उन्होंने अधिकारी के परिवार के सदस्यों को एक कमरे में बंधक बना लिया और फिर घर के एक हिस्से को ढहा दिया।

हरे निशान पर बंद हुआ शेयर बाजार

संसेक्स 123 अंक मजबूत

निफ्टी लगातार सातवें दिन चढ़ा

नई दिल्ली, 11 सितम्बर 2025। फेड द्वारा ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद के बीच हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन यानी गुरुवार को शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई संसेक्स 123.58 अंक या 0.15 प्रतिशत चढ़कर 81,548.73 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 217.07 अंक या 0.26 प्रतिशत बढ़कर 81,642.22 अंक पर पहुंच गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 32.40 अंक या 0.13 प्रतिशत बढ़कर 25,005.50 अंक पर पहुंच गया। चार कारोबारी दिनों में बीएसई बेंचमार्क 837.97 अंक या 1.03 प्रतिशत बढ़ा है। निफ्टी सात कारोबारी दिनों में 290.45 अंक या 1.17 प्रतिशत उड़का है। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 36 पैसे टूटकर 88.47 (अंतिम) के सर्वाधिक निम्न स्तर पर बंद हुआ। संसेक्स की कंपनियों में एनटीपीसी, एक्सिस बैंक, पावर ग्रिड, भारती एयरटेल, इटरेल और सन फार्मा प्रमुख लाभ में रही। वहीं इंप्रोसिस, टाइटन, अल्ट्राटेक सीमेंट और हिंदुस्तान यूनिलीवर पिछड़े वालों में शामिल रहे।



अम्बिकापुर विधानसभा में 630 से अधिक डुप्लीकेट वोटर हैं मौजूद

—संवाददाता—
अम्बिकापुर, 11 सितम्बर 2025
(घटती-घटना)।

अकेले अम्बिकापुर शहर के 111 मतदान केन्द्रों पर 388 ऐसे मकान हैं, जहाँ 20 या उससे अधिक मतदाताओं के नाम मतदाता सूचि में रजिस्टर हैं और ऐसे मतदाताओं की संख्या 10662 है। इस बात का रहस्योद्घाटन करते हुए पूर्व उम्मेद्वर श्री टी.एस. सिंहदेव ने यह भी बताया कि शहर में कुछ ऐसे मकान भी मौजूद हैं, जहाँ डेढ़ सौ से अधिक मतदाताओं के नाम एक ही मकान नंबर पर पंजीकृत हैं। उन्होंने जानकारी दी कि प्रारंभिक जांच में यह भी स्पष्ट हुआ है कि अकेले अम्बिकापुर विधानसभा में 630 से अधिक डुप्लीकेट वोटर मौजूद हैं। जिला कांग्रेस कमेटी सरगुजा के द्वारा नवनिर्वाचित जेन अध्यक्ष, सेक्टर प्रभारी और बी.एल.ए. के लिये ब्लॉक अनुसार संवाद कार्यक्रम आयोजित कर रही है। इस सिलसिले में आज अम्बिकापुर शहर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के जेन अध्यक्ष, सेक्टर प्रभारी एवं



बी.एल.ए. की बैठक जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय राजीव भवन में आयोजित हुई। अपने संबोधन में पूर्व उम्मेद्वर श्री ने कहा कि हरियाणा चुनाव के बाद से ही पार्टी नेतृत्व को ऐस लग रहा था कि नतीजे गड़बड़ हैं। महाराष्ट्र चुनाव के एकतरफा नतीजों ने इस धारणा को और पुष्ट किया। 7 अगस्त को पार्टी के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने उन तथ्यों को सामने रख दिया जो कि वोट चोरी के ठोस सबूत थे। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग का व्यवहार भाजपा के अनुशासित संगठन की तरह का है। चुनाव आयोग की घोषणा के पहले ही भाजपा आईटी सेल चुनाव तारिखों की घोषणा कर देती है।

चुनावों की घोषणा के पहले आयोग प्रधानमंत्री को उद्घाटन और लोकार्पण के अवसर देता है। चुनाव के चरणों को तय करते समय आयोग इस बात का ध्यान रखता है कि प्रधानमंत्री को प्रचार का अवसर मिले। अब जब मतदाता सूचियों में भारी गड़बड़ी सामने आ रही है, और इन गड़बड़ियों की जांच के बजाय आयोग सीनोर्जरी कर रहा है ऐसे में यह धारणा पुष्ट हो रही है कि आयोग भाजपा का अनुशासित संगठन है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूचि में हेराफेरी के लिये भाजपा के पास एक बड़ा तंत्र मौजूद है। उनसे सतर्क रहने की आवश्यकता है। उन्होंने यह भी कहा कि अपने 50 साल के

राजनैतिक जीवन में मतदाता सूचि में इतनी गड़बड़ियाँ आज तक नहीं देखी जो विगत पाँच-सात साल में आ गई हैं। पार्टी के नवनिर्वाचित बी.एल.ए. को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सर्वाधिक जिम्मेदारी आप पर है। मतदाता सूचि के निर्माण से लेकर चुनाव में मतदान तक एक बूथ पर आप पूरी पार्टी का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। ऐसे में आपको भरपूर सतर्कता के साथ काम करना है। बैठक को संबोधित करते हुए कांग्रेस जिलाध्यक्ष श्री बालकृष्ण पाठक ने कहा कि प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने छत्तीसगढ़ में भी मतदाता सूचियों में मौजूद गड़बड़ियों को पकड़ने का काम प्रारंभ कर दिया है। उन्होंने प्रदेश कांग्रेस कमेटी के द्वारा मतदाता सूचियों की जांच हेतु तय बिंदुओं की जानकारी देते हुए जल्द से जल्द अपना प्रतिवेदन देने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि मतदाता सूचियों की विसंगतियों की जांच कर उन्हें शीघ्र ही आमजनता और प्रशासन के समाने प्रस्तुत किया जायेगा। इस दौरान विशेष तौर पर बी.एल.ए. को संबोधित करते हुए 20

सूत्रिय कार्यक्रम के पूर्व उपाध्यक्ष श्री अजय अग्रवाल ने कहा कि प्रत्येक बी.एल.ए. बूथ पर हमारे लिये पार्टी के सम्मानोप अध्येक्ष खड़ी जी के समतुल्य है। उसे अपने बूथ पर इसी भाव के साथ अपना शतप्रतिशत योगदान देना है। बैठक को पीसीसी उपाध्यक्ष श्री जे.पी.0 श्रीवास्तव, पीसीसी महामंत्री श्री द्वितेन्द्र मिश्रा एवं पूर्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष राकेश गुप्ता ने भी संबोधित किया। इस दौरान ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अम्बिकापुर शहर के अध्यक्ष श्री हेमंत सिन्हा, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अम्बिकापुर ग्रामीण के अध्यक्ष श्री विनय शर्मा, श्री संजय विश्वकर्मा, मो0 इस्लाम, विनित विशाल जायसवाल, इंद्रजीत सिंह धंजल, दुर्गा गुप्ता, अनिल सिंह, अनूप मेहता, जमील खान, जोन अध्यक्ष वेद प्रकाश शर्मा, चंद प्रकाश सिंह, रजनीश सिंह, नितिक खान, सोहन जायसवाल, अमित सिंह, अशोक सिंह, शीघ्र ही आमजनता और प्रशासन के समाने प्रस्तुत किया जायेगा। इस दौरान विशेष तौर पर बी.एल.ए. को संबोधित करते हुए 20

अनुविभागीय दंडाधिकारी के नाम पर कांग्रेस के नगर निगम पार्षद ने सौपा ज्ञापन



—संवाददाता—
अम्बिकापुर, 11 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।
ज्ञापन के माध्यम से बताया कि धार्मिक कार्यक्रम खंडिया, दुर्गा पूजा और विस्मर्जन के कार्यक्रमों में जिस प्रकार से लोगों के द्वारा गैर धार्मिक गानों का उपयोग किया जाता है, उस गाने को प्रतिबंधित करने के लिए अनुविभागीय अधिकारी से ज्ञापन सौंपते हुए मांग किया है कि जिन निम्न शर्तों पर कार्यक्रम की अनुमति दी जाती है उन अनुमति में इसे शामिल करें कि किसी भी आयोजन करता के द्वारा गैर धार्मिक गानों का उपयोग ना करें केवल धार्मिक गानों का उपयोग ही इस प्रकार के आयोजनों में किया जाए जिससे किसी के भावना को ठेस न पहुंचे और अगर किसी आयोजन में इस प्रकार के गाने बजाए जाते हैं तो उसकी जिम्मेदार जिला प्रशासन होगी। ज्ञापन संपने में चंद प्रकाश सिंह, रोशन कर्नौजिया, अमित वर्मा, राहुल सोनी, मिथुन सिंह, अतुल ताम्रकर अंकित, रवि, संस्कार, अंकुश, शामिल रहे

विद्यालय में पढाई के दौरान आकाशीय बिजली गिरी छात्रा झुलसी

—संवाददाता—
सूरजपुर, 11 सितम्बर 2025
(घटती-घटना)।

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय धरसेडी पर आज शाम आकाशीय बिजली गिरने से 12 वी कक्षा में अध्ययनरत छात्रा की बुरी तरह झुलस गई। इस संबंध में बताया जाता है कि ग्राम पंचायत धरसेडी बिरसापारा निवासी दिलीप सिंह की पुत्री रंजती शा उ मा वि धरसेडी में कक्षा 12 वी में पढ़ती थी। आज शाम अचानक हुई गज और बारिश होने के दौरान स्कूल पर ही गज मार दिया जिससे उसके बौह बुरी तरह



झुलस गया। उसके भाई ने तत्काल 108 एंबुलेंस बुलाकर भैयाथान चिकित्सालय इलाज हेतु भिजवाया है। स्कूल का दरवाजा

और खिड़की हुआ क्षतिग्रस्त-शा उ मा वि स्कूल धरसेडी का भवन का दरवाजा और खिड़की भी गज से क्षतिग्रस्त हो गया है।



गज गिरने से विद्यालय के विद्यार्थी बुरी तरह सहम गए हैं। तड़ित चालक नहीं लगे-छ ग शासन ने विद्यालय भवन की व्यवस्था तो

की परंतु भवनों में तड़ित चालक कहीं नहीं लगाए गए हैं। ऐसे में शासन की व्यवस्था पर प्रश्न चिह्न लगना स्वाभाविक है।

पण्डो जनजाति बच्चों को बांधकर पीटने वाले आरोपी को पुलिस ने न्यायालय में किया प्रस्तुत

—संवाददाता—
रघुनाथनगर, 11 सितम्बर 2025
(घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले के रघुनाथनगर पुलिस ने पण्डो जनजाति बच्चों को बांध कर पीटने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। अपराध क्रमांक

:- 123/2025 धारा = 296, 351(2), 115(2), 126 bns, j एक्ट धारा 75, sc/st act धारा 3(1)(द), 3(1)(ध), 3(2)(5)(क)* प्राणी बाल गोविंद पंडो एवं राजेंद्र पंडो, निवासी ग्राम कोठी, थाना रघुनाथनगर के द्वारा थाने में

उपस्थित होकर रिपोर्ट दर्ज कराया गया कि दिनांक 24. 07. 2025 के शाम 4:00 बजे प्राणी बाल गोविंद पंडो के तीन नाबालिक बच्चे आरोपी राम लखन सिंह के दुकान में सामान खरीदने गए थे जहाँ पर मामूली बात को लेकर आरोपी रामलखन सिंह के द्वारा



नाबालिक बच्चों के हाथ को रस्सी से बांधकर मारपीट करने एवं जान से मारने की धमकी दी गई है।

अस्थायी फटाका लायसेंस हेतु 07 अक्टूबर तक कर सकते हैं आवेदन

—संवाददाता—

अम्बिकापुर, 11 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।
अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी ने बताया कि वर्ष-2025 में दशहरा एवं दीपावली त्योहार को ध्यान में रखते हुए जिले अंतर्गत फुटकर फटाका विक्रय किए जाने के लिए लोक सेवा केन्द्र के माध्यम से आवेदन ऑनलाइन प्राप्त किये जा रहे हैं। इच्छुक फुटकर फटाका व्यापारी लोक सेवा केन्द्रों के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन पत्र 07 अक्टूबर 2025 तक कर सकते हैं, ताकि प्राप्त आवेदनों को समय पर निराकरण कर अस्थायी फटाका लाइसेंस समय-सीमा में जारी किया जा सके।



निर्वाचित पार्षदों की बजाए मनोनीत सांसद प्रतिनिधि के नेतृत्व में धरना प्रदर्शन का हुआ आयोजन, ज्ञापन सौंपकर आंदोलन हुआ समाप्त

नगर पंचायत पटना में इमली चौक से सती मंदिर तक के नाली निर्माण की गुणवत्ता है खराब...की जाए कार्यवाही...हुई मांग

निर्वाचित पार्षदों ने नारेबाजी के साथ मनोनीत सांसद प्रतिनिधि का दिया साथ...तहसीलदार को सौंपा गया ज्ञापन

गुणवत्ता से समझौता नहीं किया जाएगा...नाली निर्माण पुनः करने एजेंसी को दिया जा चुका है नोटिस: गायत्री सिंह अध्यक्ष नगर पंचायत पटना

भाजपा नेता की एजेंसी के विरुद्ध कांग्रेस पार्टी के मनोनीत सांसद प्रतिनिधि का घटिया नाली निर्माण को लेकर किया गया विरोध प्रदर्शन संपन्न

-रवि सिंह-

कोरिया/पटना, 11 सितंबर 2025
(घटती-घटना)

कोरिया जिले के नव गठित नगर पंचायत में घटिया और गुणवत्ता विहीन नाली निर्माण की शिकायत साथ ही गुणवत्ता विहीन निर्माण के विरुद्ध उचित कार्यवाही की मांग को लेकर नगर पटना में कांग्रेस पार्टी का एक दिवसीय धरना प्रदर्शन संपन्न हुआ। इस धरना प्रदर्शन में एक बात अजीब नजर आई वह यह कि यह धरना प्रदर्शन कांग्रेस पार्टी के उन निर्वाचित वार्ड पार्षदों के नेतृत्व में नहीं हुआ जिन्हें जनता से सीधे चुनकर भेजा है यह धरना प्रदर्शन एक मनोनीत सांसद प्रतिनिधि के नेतृत्व में आयोजित किया गया जिसे क्षेत्रीय सांसद ने नगर पंचायत पटना के लिए अपना प्रतिनिधि नियुक्त किया है। कांग्रेस पार्टी के सभी निर्वाचित वार्ड पार्षदों ने मनोनीत सांसद प्रतिनिधि के नेतृत्व में यह प्रदर्शन किया और गुणवत्ता को ताक पर रखते हुए किए गए नाली निर्माण को ध्वस्त करते हुए नए सिरे से पुनः निर्माण की मांग की, बता दें कि इमली चौक से लेकर सती मंदिर तक निर्मित नाली का निर्माण गुणवत्ता को ताक पर रखकर किया गया है और यह एक भ्रष्टाचार का मामला है यह आरोप कांग्रेस पार्टी ने लगाया है वहीं इसी नाली निर्माण

में गुणवत्ता नहीं होने की बात स्वयं भाजपा के ही निर्वाचित वार्ड पार्षद मान रहे हैं और वह कह भी रहे हैं। यह निर्माण भाजपा नेता की एजेंसी द्वारा किया गया है जो गुणवत्ता को लेकर गंभीर नहीं रहने वाली एजेंसी है ऐसा आरोप कांग्रेस पार्टी ने लगाया है।

मनोनीत सांसद प्रतिनिधि नगर पंचायत पटना दीपक खत्री ने बताया कि निर्माण कार्य की गुणवत्ता देखकर ही समझ में आती है कि घटिया और स्तरहीन कार्य किया गया है और जिसे ध्वस्त कर पुनः निर्माण की आवश्यकता है, दीपक खत्री के द्वारा बताया गया कि नगर में निर्मित किए गए उक्त नाली के विषय में प्रशासन को ज्ञापन देकर कार्यवाही की मांग की जा रही है और यह कार्यवाही पुनः निर्माण के लिए की जाए उनकी मांग है, उन्होंने बताया कि भाजपा नेता की एजेंसी ने काम में गुणवत्ता का ध्यान बिल्कुल नहीं रखा है और यह निर्माण पूरी तरह भ्रष्टाचार से प्रेरित है, इस संबंध में उचित कार्यवाही नहीं किए जाने पर उक्त कार्यवाही की बात भी उन्होंने दोहराई। वैसे नाली निर्माण के संबंध में नगर पंचायत कार्यालय से एजेंसी को नोटिस जारी किया जा चुका है जिसमें पुनः निर्माण का निर्देश दिया गया है, अध्यक्ष ने स्वयं निरीक्षण में इसे गुणवत्ता से अलग हटकर स्तरहीन निर्माण कार्य माना है, कांग्रेस का

विरोध प्रदर्शन भ्रष्टाचार सहित भाजपा नेताओं के द्वारा किए जा रहे गुणवत्ता विहीन निर्माण कार्यों को रोकने के लिए भी आयोजित था। उनके अनुसार यह संरक्षण प्रदान करते हुए भ्रष्टाचार का मामला है जिसमें सभी शामिल हैं।

एजेंसी को नोटिस भेजकर गुणवत्ता से समझौता नहीं करने की दी जा चुकी है हृदयत, गायत्री सिंह अध्यक्ष नगर पंचायत पटना

नगर पंचायत अध्यक्ष पटना गायत्री सिंह ने इस संबंध में खुद बताया कि उनके द्वारा निरीक्षण में यह पाया गया था कि नाली निर्माण में गुणवत्ता की कमी है और उन्होंने इसके लिए एजेंसी को नोटिस भिजवा दिया है, गुणवत्ता से समझौता नहीं होगा यह उन्होंने अपनी तरफ से अपना प्रण बतलाया और कहा कि बात नगर के विकास की है और इसमें विकास ही उनके लिए प्रथम है और इससे समझौता गुणवत्ता जैसे विषयों में कभी नहीं होगा, उन्होंने यह भी कहा कि नगर में जारी अन्य निर्माण कार्य उनके लिए अपने घर में कराए जा रहे निर्माण कार्यों की ही तरह हैं इनका भविष्य लंबा होगा और यह उनकी तरफ से निश्चित किया जा चुका है निर्देश जारी कर जिसके विषय में विपक्ष को सोचने की जरूरत नहीं है, उन्होंने कहा

निर्वाचित पार्षदों की बजाए मनोनीत सांसद प्रतिनिधि ने किया नेतृत्व

एक दिवसीय धरना प्रदर्शन और ज्ञापन सौंपने के कार्यक्रम का नेतृत्व कांग्रेस पार्टी के निर्वाचित पार्षदों ने नहीं किया, नेतृत्व सांसद द्वारा मनोनीत सदस्य ने किया, बता दें कि नगर के व्यवसाई दीपक खत्री को क्षेत्रीय सांसद ने अपना प्रतिनिधि मनोनीत किया है जो उनकी अनुपस्थिति में नगर पंचायत की बैठकों में शामिल होंगे, दीपक खत्री ने नगर पंचायत में हुए एक नाली निर्माण में गुणवत्ता की बात को लेकर प्रश्न उठाते हुए स्वयं एक दिवसीय धरना प्रदर्शन का निर्णय लिया जो संपन्न हुआ। धरना प्रदर्शन नगर के अटल चौक पर आयोजित था जहां पुलिस प्रशासन भी मुस्तैदी से सुरक्षा दृष्टि के हिसाब से डटा रहा।

निर्वाचित पार्षदों को नेतृत्व का जिम्मा क्यों नहीं मिला सवाल, क्या नगर पंचायत में उनकी स्थिति कमजोर ?

अक्सर राजनीति में यही देखने को मिला है कि पक्ष का विरोध विपक्ष के द्वारा किए जाते समय निर्वाचित सदस्य सामने होते हैं नेतृत्व करते हैं या फिर संगठन सामने होता और संगठन का शीर्ष आगे होता है, नगर पंचायत एक सरकार ही की तरह काम करता है और यह नगर की सरकार ही कहलाती है, इसमें शामिल और इसके अंग निर्वाचित अध्यक्ष उपाध्यक्ष और पार्षद होते हैं, पक्ष विपक्ष का मामला यहां भी होता है और लगातार यही देखने को मिलता है कि नगर सरकारों का विरोध विपक्ष के पार्षद करते हैं या फिर विपक्षी दल के शीर्ष को यह जिम्मा मिलता है या वह जिम्मा लेता है। नगर पटना के कांग्रेस पार्टी के विरोध में यह देखने को मिला कि न निर्वाचित पार्षदों ने नेतृत्व किया न ही संगठन के शीर्ष ने नेतृत्व किया नेतृत्व मनोनीत सांसद प्रतिनिधि ने किया। वैसे पार्षदों को नेतृत्व का जिम्मा क्यों नहीं दिया गया साथ की क्या निर्वाचित पार्षदों को पार्टी ने विरोध के विषय में अयोग्य माना यह बड़ा सवाल है। पार्टी ने क्या नगर पंचायत में यह मान लिया है कि उनके निर्वाचित पार्षद विरोध दर्ज करने में पूरी तरह सक्षम नहीं हैं।

निर्वाचित पार्षदों ने मनोनीत सांसद प्रतिनिधि का नेतृत्व स्वीकार किया, हुए झुकटा, सौंपा ज्ञापन

नगर में कांग्रेस पार्टी के धरना प्रदर्शन के दौरान निर्वाचित पार्षदों ने मनोनीत सांसद प्रतिनिधि का नेतृत्व स्वीकार किया और धरना प्रदर्शन में शामिल होकर वह ज्ञापन सौंपने के कार्यक्रम में शामिल हुए, सभी ने जमकर नारेबाजी की और भ्रष्टाचार के विरुद्ध आगे भी इसी तरह आवाज उठाने की बात कही। सभी ने यह भी कहा कि नगर पंचायत में व्याप्त भ्रष्टाचार बंद नहीं हुआ तो आगे और भी बड़े आंदोलन देखने को मिल सकते हैं।

कि नगर के लोगों की वह श्रृंखला है उन्हें नगर के कटौती जैसा कोई विषय सामने आया वह अपील करते हुए कहा कि विपक्ष चुनाव की हार लोगों ने अपार श्रेष्ठ प्रदान किया है जिसके बाद सोचना ही एक द्वेष से उत्पन्न मानसिकता है। जीत भुलाकर साथ आए और नव गठित नगर का उनकी तरफ से नगर के लोगों की सुविधाओं में उन्होंने विपक्ष को विकास में सहयोगी बनने विकास मिलकर साथ करें।

ग्राम पंचायत गौरा: हाथी के हमले से महिला की दर्दनाक मौत से, सहमा गांव



प्रतापपुर, 11 सितंबर 2025
(घटती-घटना)। जिले के वन परिक्षेत्र प्रतापपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत गौरा निवासी सुबासी जाती पनिका 50 वर्षीय महिला को हाथियों ने कुचलकर मौत के घाट उतार दिया, साथ ही शव को छत विश्वत भी कर दिया।

स्थानीय ग्रामीणों की माने रात के लगभग 2:00 बजे के आसपास 25 हाथियों का दल ग्राम पंचायत गौरा के बीच बस्ती में घुसे और घर को आचानक ढहाने लगे जिसकी आवाज सुनकर घर में सो रहे हैं मां और मानसिक रूप से कमजोर बेटे ने भागने का प्रयास किया लेकिन महिला हाथियों के चपेट में आ गई और घर से महज 20 कदम दूर हाथियों कुचलकर महिला को दर्दनाक मौत की घाट उतार दिया। घटना के तुरंत बाद स्थानीय ग्रामीणों द्वारा वन विभाग को मोबाइल फोन के जरिए सूचना दिए लेकिन घटनास्थल पर ना तो वन विभाग की जिम्मेदार अधिकारी पहुंचे ना उनके कर्मचारी जिसको

लेकर स्थानीय ग्रामीणों में काफी आक्रोश देखने को मिला, मौके पर पहुंचे प्रतापपुर थाना के स्टाफ सहित वन विभाग अधिकारी कर्मचारीयो को सैकड़ों की संख्या में मौजूद आक्रोशित ग्रामीणों का घंटों नोक झोक का सामना करना पड़ा।

गांव वालों ने वन विभाग पर लगाया लापरवाही का आरोप

कहा वन विभाग के द्वारा गांव में जब हाथी प्रवेश करता है तो किसी प्रकार से कोई सूचना नहीं दिया जाता है जिसके कारण हम गांव वालों को यह दर्दनाक दिल दहला दहला देने वाली घटना देखने को मिल रहा फोन करने पर भी विभाग फॉरेस्ट बिट कार्ड फोन उठा कर हम गांव वालों के बात को गंभीरता से ना लेकर टालमटोल करते हैं और कहा जब हाथी हमारे गांव में आता है तो बिजली गोल कर दिया जाता है जिससे हम गांव वालों को काफी परेशानी होती है और रात के

अंधेरे में हाथी किस तरफ से हमला कर दे पता नहीं चलता और हम गांव वालों को अपनी जान देकर चुकानी पड़ रही है।

परिजन सहित स्थानीय ग्रामीणों की मांग

तत्काल मुआवजा सहित एक व्यक्ति की नौकरी की मांग किए ताकि घर में रह रहे मानसिक रूप से कमजोर व्यक्ति का भरण पोषण हो सके क्योंकि मां के मृत्यु हो

कार्यालय, कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग, (वि./या.) संभाग अम्बिकापुर, जिला सरगुजा (छ0ग0)

निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक-2883/NIT- 08 /2025-2026/व.ले.लि. दिनांक - 08/09/2025

निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि :-

19/09/2025 अपराह्न 5.30 बजे तक

उपरोक्तों द्वारा प्रस्तुत निविदायें प्राप्त करने की अंतिम तिथि :-

25/09/2025 अपराह्न 5.30 बजे तक

26/09/2025 पूर्वाह्न 11.30 बजे तक

निविदा खोलने की तिथि :-

कार्य हेतु :- निविदा प्रपत्र का मूल्य :- 750.00 रुपये, निविदाकारों की श्रेणी ई-पंजीयन के अंतर्गत 'द' से 'अ' तक तथा कार्य की अवधि दिनांक 31.12.2025 तक वर्षा ऋतु सहित निर्धारित है।

कार्य का नाम / कार्य की अनुमानित लागत (लाख में) अमानत राशि (रु. में) - बैंक सल्लेखी (रु. में)

निविदा क्र. 1 2 3

T0036 सूरजपुर जिले के अंतर्गत 12 मा आई टाइप कार्टर ग्रेजिट होस्टल सूरजपुर में विद्युतीकरण कार्य 9.99-7493.00- - 149850.00

निविदा संबंधी शर्तें विभाग की वेबसाइट www.cg.nic.in/pwdraipur पर Live Tender के अंतर्गत निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है। इनका अवलोकन संबंधित संभाग कार्यालय में किया जा सकता है।

कार्यालयन अभियंता लोक निर्माण विभाग (वि./या.) संभाग अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा

जी नंबर-252603393/2

परिजन सहित स्थानीय ग्रामीणों ने वन विभाग पर लगाया लापरवाही का आरोप

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ0ग0)	न्यायालय तहसीलदार सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ0ग0)	न्यायालय तहसीलदार सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ0ग0)	न्यायालय तहसीलदार सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ0ग0)
रा0प्र0क्र0/ब-121/2024 - 25	ईशतहार	ईशतहार	ईशतहार
राजस्व प्रकरण क्र.-1398 /ब-121/2024	राजस्व प्रकरण क्र.-1397 /ब-121/2024	राजस्व प्रकरण क्र.-1397 /ब-121/2024	राजस्व प्रकरण क्र.-1396 /ब-121/2024
सूरजपुर, दिनांक 08/09/2025	सूरजपुर, दिनांक 08/09/2025	सूरजपुर, दिनांक 08/09/2025	सूरजपुर, दिनांक 08/09/2025
आवेदक का नाम आगन्द कुमार आ. स्व0 शिवचरणराम जाति पनिका, निवासी रामनगर, प.ह.न. तहसील सूरजपुर जिला सूरजपुर (छ.ग.) ने अपने पिता-शिवचरणराम मृत्यु दिनांक 09-04-2014 का मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिस पर कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है। इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो दिनांक 22/09/2025 को समय 11.00 बजे इस न्यायालय में अपना स्वयं अथवा अपने अभिभावक के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। तदनुसार कार्यवाही कर दी जावेगी। इस ईशतहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 08/09/2025 को जारी किया जाता है।	आवेदक का नाम आगन्द कुमार आ. स्व0 शिवचरणराम जाति पनिका, निवासी रामनगर, प.ह.न. तहसील सूरजपुर जिला सूरजपुर (छ.ग.) ने अपने पिता-शिवचरणराम मृत्यु दिनांक 11-05-2004 का मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिस पर कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है। इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो दिनांक 22/09/2025 को समय 11.00 बजे इस न्यायालय में अपना स्वयं अथवा अपने अभिभावक के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। तदनुसार कार्यवाही कर दी जावेगी। इस ईशतहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 08/09/2025 को जारी किया जाता है।	आवेदक का नाम आगन्द कुमार आ. स्व0 शिवचरणराम जाति पनिका, निवासी रामनगर, प.ह.न. तहसील सूरजपुर जिला सूरजपुर (छ.ग.) ने अपने पिता-शिवचरणराम मृत्यु दिनांक 16-06-2007 का मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिस पर कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है। इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो दिनांक 22/09/2025 को समय 11.00 बजे इस न्यायालय में अपना स्वयं अथवा अपने अभिभावक के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। तदनुसार कार्यवाही कर दी जावेगी। इस ईशतहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 08/09/2025 को जारी किया जाता है।	आवेदक का नाम आगन्द कुमार आ. स्व0 शिवचरणराम जाति पनिका, निवासी रामनगर, प.ह.न. तहसील सूरजपुर जिला सूरजपुर (छ.ग.) ने अपने पिता-शिवचरणराम मृत्यु दिनांक 16-06-2007 का मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिस पर कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है। इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो दिनांक 22/09/2025 को समय 11.00 बजे इस न्यायालय में अपना स्वयं अथवा अपने अभिभावक के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। तदनुसार कार्यवाही कर दी जावेगी। इस ईशतहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 08/09/2025 को जारी किया जाता है।

संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

घटती घटना

सूरजपुर-कोरबा-सरगुजा-समाचार

अम्बिकापुर,शुक्रवार 12 सितम्बर 2025

6

नवोदय विद्यालय बैकुंठपुर के अस्तित्व के लिए आवश्यक की अपराधी प्रवृत्ति के छात्रों को बर्खास्त करे विद्यालय प्रबंधन:अभिभावक

विद्यालय में अपराधी प्रवृत्ति के छात्र विद्यालय की साख को लगा रहे बढ़ा,होनहार मेधावी छात्रों का भविष्य भी हो रहा चौपट

आरंभ से ही विद्यालय में छात्र अनुसरण प्रवृत्ति के कारण कर रहे हैं अपराधिक कार्य,परम्परा तोड़ने छात्रों का बर्खास्त किया जाना आवश्यक,अभिभावकों की मांग

निरीक्षण और नियंत्रण प्रणाली में बदलाव साथ ही अपराध से प्रेरणा लेने वाले छात्रों का बर्खास्त किया जाना अब आवश्यक

विद्यालय की साख तो पुलिस के दखल के बाद जाती रही क्योंकि मामला कानून व्यवस्था से जुड़ गया और प्रबंधन सहित निरीक्षणकर्ता जिम्मेदार असफल नजर आए। अब आवश्यकता है कि निरीक्षण और नियंत्रण प्रणाली में बदलाव किया जाए और नए सिरे से इसके लिए जिम्मेदार तय किए जाएं,जिला शिक्षा अधिकारी सहित अन्य शिक्षा जगत के अधिकारियों की सतत निगरानी स्थापित की जाए वहीं जिला प्रशासन भी अलग-अलग अधिकारियों से सतत निगरानी तय करे,छात्रों से सतत संवाद के लिए भी टीम भी बनाया जाए जो उनके लिए सहायक साबित हो,अपराधिक प्रवृत्ति के छात्रों को निलंबित करने की बजाए जब तक बर्खास्त नहीं किया जाएगा विद्यालय से बाहर का रास्ता नहीं दिखाया जाएगा यह अनुसरण आधारित अपराध बंद नहीं होगा,वैसे पहले भी छात्रों को विद्यालय से बाहर का रास्ता दिखाया गया है और जिससे कुछ हद तक विद्यालय में अनुशासन स्थापित करने में मदद मिली थी ऐसा सूत्रों का दावा है।

अब तक कि सभी पुरानी घटनाओं पर नहीं हुई बड़ी कार्यवाही,अभिभावकों का आरोप प्रबंधन केवल बैठकर ले रहा वेतन

एक अभिभावक के अनुसार उसने अपने बच्चे के साथ हुई मारपीट और प्रताड़ना की घटना की सूचना प्रबंधन को पिछले सत्र में दी थी जिसमें केवल समझाइश की कार्यवाही मात्र की गई,समझाइश के बाद भी आज स्थिति वही है और सीनियर जूनियर के साथ अत्याचार जारी रहे हुए हैं, प्रबंधन केवल वेतन लेकर मौन बैठा है यह आरोप खुलकर लगा रहे हैं अभिभावक,अभिभावकों के अनुसार जवाहर नवोदय विद्यालय में अब कड़े निर्णयों की आवश्यकता है,प्रबंधन को अपने सभी छात्रों के हित अनुसार निर्णय लेने सोचना चाहिए और अपराध से प्रेरित छात्रों को केवल एक दंड बर्खास्त जैसी कार्यवाही से दंडित करना होगा, अभिभावकों ने यह भी कहा कि यदि किसी बच्चे को सीनियर छात्र जान का नुकसान पहुंचा देंगे तब ही क्या बड़ी कार्यवाही होगी,यदि ऐसा है तो फिर जान की गारंटी भी प्रबंधन दे क्योंकि अब पानी सिरे से ऊपर जा चुका है।

—रवि सिंह—
कोरिया, 11 सितंबर 2025
(घटती-घटना)।

कोरिया जिले के जिला मुख्यालय से कुछ दूरी पर ग्राम केनापारा में स्थित स्थापित जवाहर नवोदय विद्यालय जो जिले का अपनी तरह का एकमात्र आवासीय विद्यालय है जो आज या यह कहे आरंभ से ही छात्र उदंडता और छात्रों द्वारा किए जाने वाले अपराधिक गतिविधियों के लिए विख्यात हो चुका है और जिस कारण विद्यालय में अत्यन्त अधिकांश छात्रों के अभिभावक अब यह चाहते हैं कि विद्यालय प्रबंधन या तो अपराधिक प्रवृत्ति वाले छात्रों को बर्खास्त करे या फिर वह खुद अपने बच्चों को विद्यालय से अत्यन्त अध्ययन के लिए भेजने मजबूर होंगे जो कम से कम होनहार और मेधावी छात्रों के हिसाब से अभिभावकों का अगला निर्णय हो सकता है।

बता दें कि हाल ही में जवाहर नवोदय विद्यालय केनापारा बैकुंठपुर से एक बड़ी खबर बाहर निकलकर सामने आई थी जिसमें सीनियर छात्रों द्वारा जूनियर छात्रों की रैगिंग ली जा रही थी जूनियर छात्रों से बर्तन धुलवाए जा रहे थे उनसे कपड़े धुलवाए जा रहे थे उन्हें प्रताड़ित किया जा रहा था और जब उन्होंने प्रबंधन से शिकायत की तब प्रबंधन ने कुछ सीनियर छात्रों को 15 दिन के लिए विद्यालय से निलंबित किया था और निलंबित होने उपरांत निलंबित छात्र पुनः जूनियर छात्रों को प्रताड़ित करते रहे और जब इस बात की पुनः शिकायत हुई जिले के आला अधिकारियों को पुलिस अधिकारियों के साथ विद्यालय पहुंचना पड़ा और मामले में अभिभावकों के साथ विद्यालय प्रबंधन, अनुविभागीय अधिकारी

जिला प्रशासन शिक्षा विभाग मामले में मौन,अभिभावक अब चिंतित,छात्रों का भविष्य खतरे में कोरिया जिले के जवाहर नवोदय विद्यालय में गुंडागर्दी सहित शराबखोरी की घटना आम

सीनियर छात्रों को गुंडागर्दी से जूनियर परेशान,इस विद्यालय परिसर में तनाव को पहुंच एक पत्रागिद

आरंभ से ही कोरिया जिले के नवोदय विद्यालय में छात्रों की गुंडागर्दी आम बात रही है,पहले भी कई घटनाएं सामने आई हैं...



—नाजम वाहदेव—

बैकुंठपुर, 10 सितंबर 2025
(घटती-घटना)।

कोरिया जिले का इकलौता जवाहर नवोदय विद्यालय अब अपने छात्रों के गुंडागर्दी सहित शराबखोरी की घटनाओं को लेकर चला रहा है और जिसकी सूचना लगातार सामने आ रही है जिसको लेकर जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग मौन रख अक्षर्यार किए हुए हैं। विद्यालय के सीनियर छात्र लगातार जूनियर छात्रों का शोषण कर रहे हैं उन्हें प्रताड़ित कर रहे हैं उनको रैगिंग कर रहे हैं और वहीं सीनियर विद्यालय परिसर में ही शराब भी उपलब्ध पा रहे हैं ऐसे मुद्दा आम मुद्दा बन चुकी है। बतावा मिलते हैं कि आरंभ से ही कोरिया जिले के इस

विद्यालय को हालत ऐसी हो चली आ रही है और कई बार कुछ मामलों में उड़ड़ और अस्मकरी छात्रों पर विभिन्न तरीकों से कार्रवाई

निकासम की भी हुई है लेकिन जो आरंभ में जारी था वह जारी है और यह अब एक परम्परा बन चुकी है जिसको लेकर विद्यालय प्रबंधन भी हता हूअ चला आ रहा है। बतावा जाता है कि इस विद्यालय में आरंभ से ही सीनियर जूनियर को रैगिंग लेते आए हैं और यह ऐसे एक प्रब है जिसका अनुसरण स्वाभाविक है,जिसने इसका आरंभ किया वह भले चला गया लेकिन वह एक अनुसरण विषय छोड़े गया जिसका अनुसरण हर वर्ष होता चला आ रहा है जो एक परम्परा बन गई है। पहले सिगरेट, बीड़ी, तंबाकू, नुस्खा जैसे आसन

उपलब्धता वाला छात्रों के लिए विद्यालय बना रहा विद्यालय नवोदय विद्यालय आज शराब उपलब्धता के लिए छात्रों के लिए प्रेरित हो रहा चला आ रहा है। कुछ या कई अधिकार अभिभावक अब अपने बच्चों के भविष्य को लेकर चिंतित हैं जिनके बच्चे जवाहर नवोदय विद्यालय बैकुंठपुर में पढ़थ है,जिस विद्यालय में प्रवेश मात्र के लिए किसी बच्चे के अभिभावक उसके लिहा के अतिरिक्त काल से प्रयासत रहते हैं उसके लिए विभिन्न कॉफी संस्थाओं में मोटी रकम चुकाते हैं जिससे उनके बच्चों को जवाहर नवोदय विद्यालय में प्रवेश मिल सके यदि उस विद्यालय की ही मिलित छात्रों की सूचा लिहा को दृष्टि से ध्यान दे जाय समझ जा सकता है किमो अभिभावक पर क्या बोल सकता है।

जूनियर छात्रों से सीनियर वर्तन भी धुलवाते हैं कपड़े धुलवाते हैं...

बतावा जाता है कि हाल फिलहाल में ही नए प्राचार्य को परमगमा भी हुई है वहीं हाल फिलहाल में ही जूनियर छात्रों के साथ मारपीट की भी घटना घटित हुई है रैगिंग के नाम पर और प्राचार्य उस मामले में खुद को नया नया आया हुआ वक्तार पाल रहे हैं। कैसे प्राचार्य ने कलेक्टर कोरिया को मामले को जानकारी दे दी और इस ट्रेन मॉडिंग से जुड़े लोग भी विद्यालय पहुँचे और अनुविभागीय अधिकारी राज्य,अनुविभागीय अधिकारी पुलिस सहित कोरियाली प्रभारी की भी मौजूदगी था नजर आई,उस बीच विद्यालय प्रबंधन और अभिभावकों के साथ बैठक भी अभिभावकों की मौजूदगी में हुई वहीं अभिभावकों का कहना है कि कुछ 11 गो कक्षा के छात्रों ने जूनियर छात्रों की बेरगामी से पिछाई की और मामले में शिक्षावत के बाद कमेटी भेजने की गई,शुद्ध सीनियर छात्र 15 दिवस के लिए निलंबित भी किए गए वहीं निलंबित छात्र फिर अब मारपीट करते लगे हैं। जूनियर छात्रों से सीनियर वर्तन भी धुलवाते हैं कपड़े धुलवाते हैं।

नशे का सामान पहुंचना,मोबाइल की उपलब्धता होना,रैगिंग जैसा अपराध होना,क्या ऐसी परिकल्पना के साथ अभिभावक भेजते हैं नवोदय विद्यालय अपने बच्चों को ?

जवाहर नवोदय आवासीय विद्यालय केंद्र सरकार की शिक्षा क्षेत्र के लिए एक महत्वाकांक्षी योजना है जिसके अंतर्गत यह विद्यालय देश के हर राज्य के हर जिले में संचालित है,इस विद्यालय में प्रवेश के लिए राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाती है जिसके लिए अभिभावक अपने बच्चों से ज्यादा मेहनत

करते हैं और किसी तरह भी प्रवेश विद्यालय में अपने बच्चे का उनका लक्ष्य होता है,यदि ऐसे विद्यालय में जहां हर एक व्यक्ति की पहली मंशा होती है कि उसका बच्चा पढ़ने जाए वहां उसका प्रवेश तय हो जिसके लिए अभिभावक कोचिंग संस्थाओं का भी सहारा लेता है में मोबाइल की उपलब्धता,नशे के

सामनों की उपलब्धता साथ ही रैगिंग जैसा अपराध होता हो कौन अभिभावक अपने बच्चे को ऐसे विद्यालय भेजना चाहेगा,बैकुंठपुर नवोदय विद्यालय की घटना जो सामने आई है यह पुनरावृत्ति है पहली घटना नहीं है जो बतलाती है कि विद्यालय संक्रमण की स्थिति में है और अब इसे इलाज की जरूरत है, इलाज

नहीं हुआ यह विद्यालय अपनी बीमारियों के लिए जाना जाएगा जो यहां पनप रहे अपराध से फैली बीमारी है जो वर्षों पुरानी बीमारी है, वैसे मोबाइल सुविधा,नशे के सामान की उपलब्धता सहित रैगिंग जैसी लगातार घट रही घटनाओं के बाद कौन अभिभावक अपने बच्चे को यहां भेजने की तमना रखेगा बड़ा सवाल है।

जीएसटी को लेकर पूर्व विधायक गुलाब कमरो का पलटवार कोरिया एमसीबी में भाजपा की प्रेस कॉन्फ्रेंस पर कसा तंज

—संवाददाता—
एमसीबी, 11 सितंबर 2025 (घटती-घटना)।

केंद्र सरकार द्वारा जी एस टी के स्लैब में बदलाव पर पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने पलटवार करते हुए कहा कि जब राहुल गांधी 8 साल पहले से ही इसे गम्बर सिंह टैक्स कहकर विरोध कर रहे थे, उस समय भाजपा के पदाधिकारी इसे जनता के हित का बता रहे थे जबकि राहुल गांधी ने जी एस टी और इसके 28 और 12 प्रतिशत के स्लैब को गलत बताया था लेकिन सरकार ने इसे लागू न कर आखिर 8 साल बाद क्यों लागू किया? यह बड़ा सवाल है पूर्व विधायक ने कहा कि पिछले 8 सालों में जनता की जब से जीएसटी की नाम पर जो वसूली हुई, क्या सरकार उसे वापस करेगी? अगर थोड़ी भी नैतिकता है तो जश्न मनाने के बजाय सरकार को जनता से वसूल गए पैसे वापस करना चाहिए।

सरकार को आठ साल बाद अपनी गलती का अहसास:कमरो

कांग्रेस नेता पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने कहा आठ साल बाद अपनी गलती का अहसास हुआ। आठ साल पहले जब यह कानून लागू किया गया था तो यह गलत था. उस समय कांग्रेस पार्टी ने सलाह दी थी कि इस तरह का टैक्स नहीं लगाया जाना चाहिए। तत्कालीन मुख्य आर्थिक सलाहकार अखंड सुब्रमण्यम ने भी सलाह दी थी कि यह गलती है। लेकिन उस समय तो तो प्रधानमंत्री और न ही मंत्रियों ने सुनी। हमारे सांसदों ने संसद में कई बार इस बारे में बात की। कई नेताओं और अर्थशास्त्रियों ने कहा। यह गलत था और इसे सुधार जाना चाहिए। कम से कम अब, मैं उन्हें गलती का अहसास करने और इसे सुधारने के लिए धन्यवाद देता हूँ। आठ वर्षों तक, 12 प्रतिशत और 18 प्रतिशत की दरों को कम करके 5 प्रतिशत कर दिया गया है,इतने दिनों तक जनता से टैक्स के नाम पर जो लूट की गई उसकी भरपाई सरकार को करनी चाहिए।



सूरजपुर का शहर नगर पालिका है या नरक पालिका ?

नाली का गंदा पानी और उसके बीच से गुजर कर महाविद्यालय पहुंचना किसी के लिए भी नरक से कम नहीं ?

नाली का गंदा पानी बह रहा है सड़कों पर नगर प्रशासन कैसे है इस मामले से अनजान ?

करोड़ का फंड फिर भी नगर पालिका सूरजपुर का काम ना करवाने का धमड ?



—ओंकार पाण्डेय—

सूरजपुर, 11 सितंबर 2025
(घटती-घटना)।

राज्य सहित नगर की सरकार बदल गई पर यदि कुछ नहीं बदला तो वह सूरजपुर नगर पालिका की दशा, स्थिति यह है कि नगर पालिका की जगह लोग अब इसे नरक पालिका कहने लगे हैं क्योंकि व्यवस्था ही कुछ ऐसी है सूरजपुर नगर पालिका प्रशासन की, नाली का गंदा पानी सड़कों पर बह रहा है और उस बीच महाविद्यालय बचते बचते पहुंचने की चुनौती विद्यार्थियों के लिए बनी हुई है पर नगर प्रशासन इससे अनजान कैसे है यह बड़ा सवाल है?



जानकारी के अनुसार बंसल स्वीडर सूरजपुर से महाविद्यालय जाने वाली सड़क में घरों का गंदा पानी नाली का गंदा पानी बहता है और प्रतिदिन इस सड़क से आम आदमी सहित विद्यार्थियों का आना-जाना लगा रहता है चुनौती इतनी गंभीर है कि बदबूदार पानी व गंदगी के बीच गुजरना पड़ता है वहां से गुजरते समय वह अपने नाक और मुंह को ढंक लेते हैं ताकि उस बदबू से बच सकें और उस नाली के पानी का छिंटे उन पर ना पड़े जाएं,इससे बचते पहुंचने की चुनौती विद्यार्थियों के लिए बनी हुई है पर नगर प्रशासन इससे अनजान कैसे है यह बड़ा सवाल है,खासकर महाविद्यालय में जाने वाले विद्यार्थियों के लिए जिनका जाना व आना

प्रतिदिन पैदल उस सड़कों से होता है,वाहन से आने जाने वाले तो उस गंदगी और छिंटे से बच जाते हैं पर उन वाहन के छिंटे से पैदल आने जाने वाले बच नहीं पाते हैं और महाविद्यालय के विद्यार्थियों को उस रास्ते से रोज पैदल आना पड़ता है और जाना पड़ता है और उस नाली के गंदे पानी से अपने यूनिफॉर्म को बचना पड़ता है स्थिति तो यह होती है कि महाविद्यालय से आने के बाद उन्हें दोबारा घर में नहाना पड़ता है और यूनिफॉर्म साफ करना पड़ता है, कितनी परेशानी भरी स्थिति होती है इसका शायद अंदाजा नगर पालिका यानी कि सूरजपुर की नरक पालिका वाली व्यवस्था को बयां करती है।

प्रदेश में सरकार बदल गई सूरजपुर नगर सरकार बदल गई पर व्यवस्था जस की तस

2023 में प्रदेश की सरकार बदली 2025 में सूरजपुर नगर सरकार बदल गई पर उसके बाद भी सूरजपुर नगर की स्थिति जस की तस है, जगह-जगह गंदगी आपको देखने को मिल जाएगी, नाली भरे पड़े हैं सिर्फ चमकता वही है जो आसानी से नजर में आ जाए बाकी पूरा खेल सिर्फ निर्माण में होता है पैसे हर साल निर्माण के नाम पर खर्च होते हैं पर व्यवस्थाएं जस की तस है, यही वजह है कि बंसल स्वीडर से लेकर महाविद्यालय पहुंचने वाले सड़क तक जगह-जगह नाली का गंदा पानी सड़क पर बह रहा है पर इसकी ना तो सफाई हो रही है और ना ही वहां पर नाली की व्यवस्था की जा रही है और ना ही उस गंदे पानी से आने जाने वाले को निजात मिले, इसके लिए नगर पालिका कोई कदम उठा रहा है यह स्थिति आज से नहीं कई सालों से है पर इसे सुधारने वाला नगर पालिका में कोई नहीं है।

अधिकारियों व जनप्रतिनिधि के पास कमाने के रास्ते कई पर व्यवस्था सुधारने का रास्ता कुछ नहीं ?

सूरजपुर नगर पालिका में नगर पालिका अध्यक्ष से लेकर पार्षद सभी निर्वाचित है ना तो अध्यक्ष अपने पूरे शहर के लिए सकारात्मक सोच रखते हैं और ना ही पार्षद, सब अपना स्वार्थ जैसी लगाना करे कमाई देख रहे हैं जिस वजह से अधिकारी व कर्मचारी के साथ मिलकर सिर्फ मलाई घोट रहे हैं जिसका उदाहरण है बदबूदार नाली का पानी सड़कों पर दिखना और नाली का अता पता नहीं होना है,सिर्फ जगह-जगह पार्क और टाइल्स पथर अन्य निर्माण ही देखे जाते हैं जो रोजमर्रा की जरूरतें हैं उस पर ध्यान नहीं है, बाकी अन्य कार्यों पर ध्यान है जहां से निर्माण करके पैसा कमाया जा सकता है आज यही वजह है कि 7 महीने में ही वर्तमान नगर सरकार के विरुद्ध लोगों आक्रोशित है।

सच्चा फेमिनिज्म वही है, जब औरत बिना डरे खुद के लिए स्टैंड ले सकें, मैं भी पहले घबराती थी : दिव्या खोसला

अपनी पिछली फिल्म सावी में अपनी भूमिका के लिए सराही जाने वाली दिव्या खोसला एक निर्देशक के रूप में यारियां में खुद को साबित भी कर चुकी हैं। इन दिनों वे चर्चा में हैं अपनी नई फिल्म एक चतुर नार से। यहां वे फेमिनिज्म, करियर के मुश्किल दौर, परिवार, फिल्म और बॉक्स ऑफिस जैसे मुद्दों पर बात करती हैं।

पर्दे पर आपने अब तक कई महिला प्रधान किरदार किए हैं, आपके लिए फेमिनिज्म क्या है?

मुझे लगता है कि सच्चा फेमिनिज्म वही है, जब आप बिना डरे निर्भय होकर खुद के लिए स्टैंड ले सकें। मैं मानती हूँ कि जब आप बड़े हो रहे होते हैं, 17-18 साल के तब आप आप मासूम होते हैं। मैं जब उस उम्र में थी, तब बहुत घबरा जाती थी। मैंने इंडस्ट्री में बहुत छोटी उम्र में काम कर दिया था, मगर अब मैं वैसी नहीं रही। अब मैं मजबूत हो गई हूँ। अब मैं पहले की तरह घबराती नहीं हूँ। अपनी जिंदगी की सीख से बताना चाहूँगी कि घबराओ मत, अपना आत्मविश्वास पुख्ता रखो। जिंदगी में शॉर्टकट्स का इस्तेमाल मत करो। हर लड़की को यही कोशिश करनी चाहिए कि दुनिया में ऐसे न बह जाए कि अपने आप को ही खो दें।

आप मल्टी टास्किंग कैसे

करती हैं? शूटिंग, परिवार, मदनरहस?

मैं बहुत फोकस करती हूँ। शूटिंग से सीधे घर जाती हूँ। मेरे ज्यादा दोस्त भी नहीं हैं। मैं पार्टी वगैरह भी नहीं करती। जब मेरी फिल्म आती है, तब उसे प्रमोट करने के लिए निकलती हूँ। साल भर में मैं किन्हीं इवेंट्स में भी नजर नहीं आती। महीनों गायब हो जाती हूँ और अपने परिवार को वक्त देती हूँ। तभी आप अपनी सैनिटी को बचाए रख पाते हैं। वरना आप अपने परिवार के प्रति अपनी जिम्मेदारी नहीं निभा पाओगे। मेरी माँ मेरा बड़ा सपोर्ट सिस्टम रही, मगर आज वे नहीं हैं, तो उन्हें काफी मिस करती हूँ। आम तौर पर लड़कियाँ जज्बाती होती हैं और जल्दी से रो देती हैं। जब तक मेरी मम्मा थीं, मैं झूट से रो दिया करती थी, क्योंकि आपको पता होता है कि आपके पास कोई है, जिसके सामने आप रो सकते हो। मगर मम्मा के जाने के बाद अब मैं नहीं रोती आज उनके जिक्र पर आँसू जरूर आ गए हैं (आँसू पोंछते हुए) मगर उनके जाने के बाद मेरा रोना बहुत कम हो गया है और मैं बहुत स्ट्रॉन्ग हो गई हूँ।

आपकी जिंदगी और करियर में

मुश्किल दौर क्या रहा है?

मेरे लिए मुश्किल दौर यही रहा है कि मुझे खुद को साबित करने के मौके नहीं मिले। अब जैसे इसी फिल्म का उदाहरण ले लीजिए, किसी को भी ऐसा नहीं लग रहा था कि मैं झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाली एक चालाक लड़की की भूमिका कर सकती हूँ। वो मौके आपके पास आना जरूरी होते हैं और वो आपको निर्देशक ही दे सकते हैं। बतौर निर्देशक मेरी पहली फिल्म 2016 में आई थी और उसके बाद बतौर अभिनेत्री 2022-23 में आई, तो ऐसा नहीं है कि मेरे पास ऑफर्स की भरमार लगी रहती है। मैं जो कुछ हूँ, अपने बलबूते पर हूँ। मैं मानती हूँ कि एक औरत को अपनी लड़ाई खुद लड़नी पड़ती है। खुद को ज्यादा साबित करना पड़ता है, फिर चाहे वो कहीं से भी हो।



असल जिंदगी में आपने एक

औरत होने के नाते चतुराई कब की?

कई बार। अक्सर ये होता है कि हम औरतों को कई बार लोग बेवकूफ बनाने की कोशिश करते हैं। हाल ही में किसी ने एक स्कैम के तहत मुझे बेवकूफ बनाने का प्रयास किया। वो मेरा आधार और डिटेल्स मांग रहा था, वो भी मेरी मैनेजर के जरिए, तो समय रहते हम चेत गए और हमें पता चल गया कि हमें फ्रॉड का शिकार बनाया जा रहा है। मैं सोच रही थी कि जब मुझे जैसी अभिनेत्री के साथ यह हो सकता है, तो एक आम महिला को तो और ज्यादा अलर्ट रहने की जरूरत है।

आपके लिए अपनी इस नई

फिल्म में सबसे ज्यादा

चुनौतीपूर्ण क्या था?

मेरे निर्देशक उमेश शुक्ला सेट पर मुझे बार-बार याद दिलाते थे कि यह लड़की कमीनी है। निर्देशक चाहते थे कि अब तक दर्शकों ने जो दिव्या देखी है, वो उन्हें इस फिल्म एक चतुर नार में देखने न मिले। मेरे लिए डिक्शन तो एक चुनौती थी ही, क्योंकि यह यूपी का किरदार है, इसके अलावा झुग्गी-झोपड़ी वाला लुक भी। मैं कभी झुग्गी-झोपड़ी में रखी नहीं हूँ, मगर इस किरदार के लिए मैं स्लम में जाकर रही। मगर वो दौर बहुत ही चैलेंजिंग था, जब कड़क की सदी के कारण मुझे 103 बुखार हो गया था। मगर वो कहते हैं न शो मस्ट गो ऑन, तो मैंने बीमारी हालत में भी इंजेक्शन लगा कर शूटिंग की।

इन दिनों बॉक्स ऑफिस अनिश्चित दौर से

गुजर रहा है आप क्या कहना चाहेंगी?

मुझे लगता है, बॉक्स ऑफिस पर उतार-चढ़ाव हमेशा से आते रहे हैं, मगर फिल्म अच्छी हो तो चल जाती है। फिर चाहे वो छोटी फिल्म क्यों न हो या फिर नए चेहरों के साथ ही क्यों न हो? हमारी फिल्म एक चतुर नार टेक्नॉलॉजी के मिसयूज पर आधारित है और इसमें कॉमिडी और थ्रिल का तड़का भी है, तो उम्मीद करती हूँ, दर्शकों को पसंद आएगी।



हर इंडस्ट्री में काम करना चाहते हैं तेजा सज्जा, तेलुगु एक्टर बोले... भाषा कोई दिक्कत नहीं, शाहरुख खान के साथ स्क्रीन शेयर करने की चाहत

तेलुगु एक्टर तेजा सज्जा की पैर इंडिया फिल्म 'मिराई' 12 सितंबर को रिलीज हो रही है। इस फिल्म को नॉर्थ इंडिया में रिलीज करने का जिम्मा बॉलीवुड फिल्ममेकर करण जोहर की धर्मा प्रोडक्शन ने ली है। इससे पहले तेजा की पैर इंडिया फिल्म 'हनुमान' को भी हिंदी ऑडियंस ने खूब पसंद किया था।

आपकी फिल्म हनुमान को हर भाषा में ऑडियंस का प्यार मिला था। क्या आपको हिंदी इंडस्ट्री से ऑफर मिले?

हां, मुझे ऑफर्स आए थे। मैं जो भी फिल्म करता हूँ, उसे लेकर काफी कंसर्न रहता हूँ। मैं कोई भी प्रोजेक्ट तभी करता हूँ, जब मैं अंदर से उसके लिए 100% एक्साइटेट होऊँ। भाषा मेरे लिए प्रॉब्लम नहीं है। फिल्ममेकर कहीं से भी आ सकते हैं। आज कन्नड़ डायरेक्टर प्रशांत नील सर प्रभाष के साथ फिल्म बना रहे हैं। मेरी फिल्म हनुमान के डायरेक्टर कन्नड़ एक्टर ऋषभ शेट्टी के साथ फिल्म बना रहे हैं तो भाषा कहीं से दिक्कत नहीं है। हमारे इंडियन सिनेमा में मुझे किसी भी भाषा का कोई भी फिल्ममेकर फिल्म ऑफर कर सकता है और उसका पार्ट बनकर मुझे खुशी होगी।



मेकर्स ने 'हनुमान' के सीक्वल की छोटी सी झलक दिखाई है। इसमें ऋषभ शेट्टी नजर आएंगे। फैंस उम्मीद कर रहे हैं कि आप भी जल्द नजर आएंगे।

मुझे इस पर बात नहीं करनी चाहिए। हनुमान के मेकर्स इसकी ऑफिशियल अनाउंसमेंट करेंगे। मैं जानता हूँ कि मैं जो फिल्में कर रहा हूँ, वो बच्चों को बहुत पसंद

आ रही हैं। इसलिए मैंने सोच-समझकर फैसला लिया है कि मेरी फिल्म साफ-सुथरी होगी। सभी बच्चों को पसंद आनी चाहिए। मेरी फिल्मों में कुल अंदाज में नैतिकता को दिखाया जाएगा। मिराई में एक्शन की एक नई दुनिया देखने मिलेगी। अपने इतिहास को जिस अंदाज अनाउंसमेंट करेंगे। मैं जानता हूँ कि मैं जो फिल्में कर रहा हूँ, वो बच्चों को बहुत पसंद

आप 30 साल के हैं और 27 साल से इंडस्ट्री में एक्टिव हैं। पर्दे पर साउथ के कई बड़े नामों का बचपन निभा चुके हैं। उनकी तरफ से आपकी फिल्मों को लेकर क्या रिसर्पोन्स मिलता है?

'मिराई' को देख चिरंजीवी सर ने मुझे और प्रोड्यूसर दोनों के लिए लंबा-चौड़ा मैसेज भेजा था। प्रभाष सर को 'मिराई' का ट्रेलर बहुत पसंद आया। मुझे लगता है कि इंडस्ट्री में टॉप के जो भी लोग हैं, अगर वो देखते हैं कि कोई अपनी लिमिट से बाहर जाकर मेहनत कर रहा है, तो वो उसे मोटिवेट करते हैं।

'हनुमान' में आप आम आदमी के हीरो बने थे। अगर कभी मौका मिले तो किस भगवान का रोल निभाना चाहेंगे?

मैं अभी कुछ बताना नहीं चाहता हूँ। मेरी एक बड़े कोलैबोरेशन के लिए बातचीत चल रही है। उसमें भगवान का रोल नहीं है लेकिन उसमें हमारे इतिहास से जुड़ा एक किरदार है। इस पर अभी बात चल रही है इसलिए मैं आपको बता नहीं सकता हूँ।

आर्मी यूनिफॉर्म में दमदार लुक में नजर आए सलमान 'बैटल ऑफ गलवान' की शूटिंग के दौरान फैंस और जवानों संग पोज देते दिखे

सलमान खान की फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' की शूटिंग से उनकी कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आई हैं। जिनमें वह लेह-लद्दाख में एक दम फिट नजर आ रहे हैं। तस्वीरों में सलमान जवानों और फैंस के साथ पोज देते दिखे। यह तस्वीरें फिल्म के लेह-लद्दाख शेड्यूल के दौरान की बताई जा रही हैं। बता दें कि हाल ही में फिल्म में उनका पहला लुक जारी हुआ था, जिसमें वह दमदार अंदाज में नजर आए। सलमान खान ने खुद यह तस्वीर अपना ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर शेयर की थी। इस फोटो में वे आर्मी की वर्दी में, सिर से खून टपकता हुआ, घनी मुँछों के साथ देशभक्ति के रंग में दिखे। बता दें, फिल्म बैटल ऑफ गलवान 2020 में गलवान घाटी में भारत और चीन की सेनाओं के बीच हुई झड़प पर आधारित है। जो बिना एक भी गोली चलाए लड़ी गई थी। ये जंग 15,000 फीट की ऊँचाई पर लड़ी गई थी। इस फिल्म को सलमान खान फिल्म प्रोड्यूस और अपूर्व लाखिया डायरेक्ट कर रहे हैं। इसमें सलमान के अपोजिट अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह नजर आएंगी। साथ ही फिल्म में कई नए चेहरे भी दिखेंगे। वहीं, जुलाई के महीने में पीटीआई से बातचीत के दौरान सलमान खान ने अपने रोल को लेकर कहा था कि फिल्म में मेरा किरदार फिजिकली काफी चैलेंजिंग है। हर साल, हर महीने, हर दिन यह और भी ज्यादा मुश्किल होता जा रहा है। अब मुझे ज्यादा समय देना



पड़ता है। पहले मैं यह एक या दो हफ्तों में कर लेता था, लेकिन अब मुझे दोड़ना, किक मारना, पंच करना और इस तरह की चीजें करनी पड़ती हैं। इस फिल्म की मांग ही ऐसी है। सलमान ने यह भी कहा था कि जब मैं फिल्म सिक्कर कर रहा था तो उसका एक्शन अलग था। वह किरदार अलग था, लेकिन बैटल ऑफ गलवान का रोल फिजिकली अलग और मुश्किल है। इसके लिए मुझे लद्दाख के ऊँचे पहाड़ों पर और ठंडे पानी में शूटिंग भी करनी है, जो एक बड़ी चुनौती है। सलमान ने आगे कहा था कि जब मैंने इस फिल्म को साइन किया। तब मुझे लगा कि यह एक शानदार फिल्म है, लेकिन फिल्म में रोल करना कठिन है। लद्दाख में मुझे 20 दिन काम करना है और फिर सात से आठ दिन ठंडे पानी में शूटिंग करनी है। हम इसी महीने इसकी शूटिंग करने जा रहे हैं।

साउथ अफ्रीका ने इंग्लैंड को टी-20 में डकवर्थ लुइस नियम से हराया, सीरीज में 1-0 की बढ़त

नई दिल्ली, 11 सितम्बर 2025। साउथ अफ्रीका ने इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की टी-20 सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली। काडिफ में खेले गए पहले मुकाबले में साउथ अफ्रीका ने इंग्लैंड को डकवर्थ-लुइस नियम के आधार पर 14 रन से हरा दिया। बारिश की वजह से मैच निर्धारित समय 6.30 बजे से ढाई घंटे देरी से शुरू हुआ। जिसकी वजह से ओवर को कम करके पहले 9 ओवर कर दिया गया। साउथ अफ्रीका की पारी में 7 गेंद शेष रहते फिर बारिश आ गई, जिससे उनकी पारी 7.5 ओवर में समाप्त हो गई। उस समय अफ्रीका ने 5 विकेट के नुकसान पर 97 रन बना लिए थे। इसके बाद इंग्लैंड को डकवर्थ-लुइस नियम के तहत 5 ओवर में 69 रन का टारगेट मिला। इंग्लैंड 5 विकेट के नुकसान पर 54 रन ही बना सका।

एडेन मार्करम ने 28 रन बनाए : साउथ अफ्रीका ने कप्तान एडेन मार्करम के 28 रनों (14



गेंद, 2 चौके, 2 छक्के) की मदद से मजबूत शुरुआत की। मार्करम ने लुआन-डे प्रिंटेरियस के साथ दूसरे विकेट के लिए 32 रनों की साझेदारी की। इसके बाद डेवाल्ड बेविस और डेवोन फरेरा ने 15 गेंदों में 36 रनों की साझेदारी की। उन्होंने लियाम डॉसन के खिलाफ नो-लुक छक्का और फिर साइटस्क्रिन पर छक्का जड़ा। हालांकि, सैम करन की धोमी गेंद पर वह तीसरे फील्डर को कैच दे बैठे। 69 रनों के टारगेट का पीछा करने उतरी इंग्लैंड को 13.8 प्रति ओवर की स्पेड से रन बनाने थे। फिल सॉल्ट और हैरी ब्रूक दोनों

शून्य पर आउट हो गए, जिससे इंग्लैंड की शुरुआत खराब रही। जोस बटलर ने 11 गेंदों में 25 रनों की तेज पारी खेली, लेकिन उन्हें दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाजों के खिलाफ साथ नहीं मिला। कगिसो रबाडा और मार्को यानसन ने शानदार वापसी की। रबाडा ने पहली ही गेंद पर फिल सॉल्ट को आउट किया, हालांकि बटलर ने उनके ओवर में चौका और छक्का जड़ा। यानसन ने भी जैकब बेथेल को आउट किया और फिर बटलर को कैच करारक मैच को दक्षिण अफ्रीका के पक्ष में पक्का कर दिया।

खेल समाचार

एशिया कप 2025 : सुप्रीम कोर्ट का भारत-पाकिस्तान मैच रद्द करने पर तुरंत सुनवाई से इंकार

नई दिल्ली, 11 सितम्बर 2025। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को एशिया कप 2025 के तहत होने वाले भारत और पाकिस्तान के बीच टी-20 क्रिकेट मैच को रद्द करने की मांग करने वाली याचिका पर तुरंत सुनवाई से इंकार कर दिया। न्यायमूर्ति जेके लखवरी और विजय बिश्नोई की पीठ ने कहा कि मैच रविवार 14 सितंबर को दुबई में है, इसलिए इसे कल सूचीबद्ध किया जाए। उर्वशी जैन के नेतृत्व में चार छात्रों द्वारा दायर याचिका को लेकर पीठ ने कहा, मैच जारी रहना चाहिए।

कोर्ट ने कहा-आखिर इतनी जल्दी क्या है : याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश हए वकील ने जोर देकर कहा, मेरा मामला भले ही खराब हो, लेकिन कृपया इसे सूचीबद्ध करें। बार एंड बेंच के मुताबिक, कोर्ट ने कहा, नहीं, कुछ नहीं। आखिर इतनी जल्दी क्या है? मैच है, होने दो। मैच इसी रविवार को है, क्या किया जा सकता है? मैच जारी रहना चाहिए। अब याचिका को शुक्रवार को सूचीबद्ध किया जाएगा। तब तक किसी प्रकार का कोई नोटिस या अंतरिम आदेश नहीं जारी किया गया है।



याचिका में क्या है : रिपोर्ट के मुताबिक, याचिका दायर करने वाले कानून के छात्र उर्वशी जैन, अधिवक्ता स्नेहा रानी, अधिवक्ता बर्मा और मोहम्मद अनस चौधरी ने तर्क दिया है कि पहलगां आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान के साथ क्रिकेट मैच का आयोजन करना राष्ट्रीय गरिमा और जनभावना के विपरीत संदेश देता

है। याचिका में कहा गया कि क्रिकेट को राष्ट्रीय हित, नागरिकों के जीवन या सशस्त्र कर्मियों के बलिदान से ऊपर नहीं रखा जा सकता, जो मनोबल के लिए हानिकारक है। **भारत ने संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ जीता पहला मैच :** भारत ने एशिया कप 2025 के अपने पहले मैच में संयुक्त अरब अमीरात (संयुक्त अरब

अमीरात) के खिलाफ 9 विकेट से शानदार जीत दर्ज की है। भारत 14 सितंबर को पाकिस्तान के साथ दुबई में खेलेगा। इसके बाद 19 सितंबर को अबू धाबी में ओमान के खिलाफ अंतिम ग्रुप मैच खेलेगा। टूर्नामेंट जब सुपर-4 में प्रवेश करेगा, जिसमें प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष-2 टीम प्रवेश करेगी। टूर्नामेंट का फाइनल 28 सितंबर को दुबई में होगा।

भारत-पाकिस्तान के 3 मुकाबले हो सकते हैं

- पहला मैच : 14 सितंबर को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा।
- दूसरा मैच : एशिया कप में लीग स्टेज के बाद सुपर-4 राउंड होगा। भारत-पाकिस्तान के सुपर-4 राउंड में पहुंचने पर 21 सितंबर को भारत-पाकिस्तान की दूसरी भिड़ंत हो सकती है।
- तीसरा मैच : अगर दोनों टीमें फाइनल में पहुंचती हैं, तो 28 सितंबर को भारत-पाकिस्तान के बीच एशिया कप में तीसरा मुकाबला खेला जाएगा।

छत्तीसगढ़ में मुठभेड़ में 10 नक्सली ढेर इनमें 1 करोड़ का इनामी बालकृष्ण भी शामिल

गरियाबंद, 11 सितम्बर 2025। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में गुरुवार को सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। एनकाउंटर में 1 करोड़ के इनामी मोडम बालकृष्ण समेत 10 नक्सली मारे गए हैं। एसपी निखिल राखेचा ने इसकी पुष्टि की है। मैनपुर थाना क्षेत्र के पहाड़ी इलाके मटाल में ये मुठभेड़ हुई। रायपुर रेंज के आईजी अमरेश मिश्रा ने बताया कि मैनपुर थाना क्षेत्र के जंगल में सुरक्षाकर्मी नक्सल विरोधी अभियान पर थे, तभी उनका

सामना नक्सलियों से हो गया और दोनों तरफ से गोलीबारी शुरू हो गई। उन्होंने बताया कि एसटीएफ, कोबरा (सीआरपीएफ की कमांडो बटालियन फॉर रेजिलिएंट एक्शन) और राज्य पुलिस के जवान इस अभियान में शामिल थे। आईजी अमरेश मिश्रा ने बताया कि जंगल में नक्सलियों के शव पड़े हुए हैं। आईजी लगे होने का भी खतरा है। रात में सर्च ऑपरेशन नहीं किया जा सकता। फिलहाल, मुठभेड़ रुक गई है।

ओडिशा स्टेट कमेटी का सचिव था बालकृष्ण

गरियाबंद पुलिस ने गुरुवार को मैनपुर के कुल्हाड़ी घाट से लगे पहाड़ी इलाके मटाल में संयुक्त ऑपरेशन चलाया था। सुबह से रुक-रुककर कई घंटे तक मुठभेड़ चली। एनकाउंटर में सेंट्रल कमेटी सदस्य मनोज उर्फ बालाना उर्फ मोडम बालकृष्ण अपने अन्य 9 साथियों के साथ मारा गया। बालकृष्ण के पास ओडिशा राज्य कमेटी के सचिव की जिम्मेदारी थी।

चलपती के मारे जाने के बाद बालकृष्ण को जिम्मेदारी

14 जनवरी को चलपती समेत 16 नक्सलियों के ढेर होने के बाद धमतरी, गरियाबंद और नुआपड़ा डिवीजन कमेटी को विस्तार करने की जिम्मेदारी बालकृष्ण को दी गई थी। यह सूचना पुलिस तक आ चुकी थी। बालकृष्ण की मौजूदगी की पुष्टि सूचना के बाद एसपी निखिल राखेचा ने संयुक्त ऑपरेशन लॉन्च किया था।



सरेंडर नक्सली की मदद से बालकृष्ण तक पहुंची पुलिस

मोडम 25 साल से सुरक्षा एजेंसियों के नजरों से बच रहा था। एजेंसियों के पास बालकृष्ण के जवानी की तस्वीर भर थी। 15 दिन पहले ही मनोज के गाई कैलाश नाम के नक्सली ने सरेंडर किया था। इसके बाद इस कुख्यात नक्सली के बारे में एजेंसी को कई पुष्टि जानकारी मिली। पुलिस के मुताबिक बालकृष्ण कई साल से शगर की बीमारी से जूझ रहा था। उसके सर के बाल झड़ गए हैं। उसे चलने के लिए 2 लाठियों का सहारा लेना पड़ता था।

नगर निगम ने पूर्व सीएम भूपेश को भेजा नोटिस

भूपेश बोले... भले ही यह नोटिस अवैध हो, लेकिन मैं मुख्यमंत्री की इच्छा पूरी करूंगा

रायपुर, 11 सितम्बर 2025। रायपुर नगर निगम ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को उनके पाटन सदन के सरकारी बंगले का प्रॉपर्टी टैक्स 7,258 रुपए जमा करने के लिए डिमांड नोटिस भेजा है। बघेल ने इस नोटिस को अवैध बताया। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि मैं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जी को 7,258 रुपए अदा करने का वचन देता हूँ। भूपेश ने लिखा कि वैसे तो शासकीय आवास में संपत्ति कर नहीं लगता, फिर भी जिस पाटन सदन को मैंने पौने दो साल पहले ही खाली कर दिया था, आज मुझे नोटिस भेजा गया है। भले ही यह नोटिस अवैध है, मैं मुख्यमंत्री जी की इच्छा पूरी करूंगा। अच्छा है कि वे भी तैयार रहें क्योंकि उनकी सरकार कुनकुरी सदन का भी तो टैक्स मांगेगी।



सरकारी भवन का प्रॉपर्टी टैक्स लेने की कोई परंपरा नहीं

कांग्रेस संचार विभाग प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि सरकार नशे में चल रही है या पूर्वाग्रह प्रसिद्ध है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को उनके नाम से शासकीय आवास अलॉट था, जो उनके मुख्यमंत्री रहते हुए पाटन सदन की जनता को समर्पित था। जो वर्तमान में कुनकुरी सदन है। अब वहां का 7200 का प्रॉपर्टी टैक्स भूपेश बघेल को भेजा गया है, यह बेहद ही हास्यास्पद और चिंताजनक भी है। शासकीय भवनों का प्रॉपर्टी टैक्स लेने की कोई परंपरा नहीं है ना कोई नियम है, सरकार ने यह नोटिस भेजा है और सरकार का यह पूर्वाग्रह है या फिर सरकार पूरी तरह से नशे में चल रही है और उन्हें नियम कानून मालूम नहीं है।

निगम ने नहीं भेजा नोटिस

मेयर मीनल चौबे ने कहा कि नगर निगम की ओर से कोई नोटिस नहीं भेजा गया है। वह ऑनलाइन बॉट के जरिए भेजा गया डिमांड बिल है। जो मोबाइल नंबर पर गया है। वर्तमान में जो प्रॉपर्टी आईडी पर डिमांड बिल भेजा गया है, उसमें संपत्ति कर शुल्क है। इस आईडी में समर्पित कर, जलकर और यूजर्स चार्ज का निर्धारण किया गया है और वह 2019 से 2024-25 तक इसी नाम से पूर्व में भुगतान किया गया है। वर्तमान में भवन आवंटन की जांच कर इस वित्तीय वर्ष में नाम अपडेट कर लिया जाएगा। नगर निगम की ओर से कोई नोटिस नहीं भेजा गया, यह ऑनलाइन जनरेटेड डिमांड बिल है। यह किसी प्रकार का नोटिस नहीं है।

दो पक्षों के बीच हिंसक झड़प, लाठी-डंडे, पत्थर से कार में हमला

बेखौफ होकर अपराधी खुलेआम वारदातों को दे रहे हैं अंजाम

रायपुर, 11 सितम्बर 2025। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में अपराधियों के बेसले दिनों-दिन बढ़ते जा रहे हैं। पुलिस से बेखौफ होकर अपराधी खुलेआम वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। ताजा मामला डीडी नगर थाना क्षेत्र से सामने आया है, जहाँ दो पक्षों के बीच पुराने विवाद को लेकर हिंसक झड़प हुई। इस दौरान दोनों पक्षों ने लाठी-डंडे और पत्थरों से एक-दूसरे पर हमला किया। इतना ही नहीं, एक पक्ष ने दूसरे पर कार चढ़ाने का भी प्रयास किया। इस पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। आपको बता दें कि शिकायतकर्ता स्वयं धारा 307 का आरोपी हैं जो साल 2023 मई महीने से फरार चल रहा था। मगर आज अचानक वो आरोपी थाने में बैठकर मारपीट का मामला दर्ज करवा लेता है और पुलिस को इसकी भनक तक नहीं लगती है।



डीडी नगर थाना क्षेत्र में पुराने धारा 307 से जुड़े मामले को लेकर दो पक्षों में झड़प हुई। जानकारी के अनुसार, आरोपी हैप्पी लंबे समय से फरार था। उसके खिलाफ 12 अगस्त 2022 को योगेंद्र साहू उर्फ नानू ने डीडी नगर थाने में हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज कराया था। तब से वह तीन वर्षों से फरार चल रहा था। बताया जा रहा है कि आज शाम पुराने मामले को लेकर हैप्पी का गौरव हेमट से विवाद हो गया। दोनों पक्षों में पहले बहस हुई और फिर मारपीट शुरू हो गई। विवाद बढ़ते-बढ़ते गाली-गलौज और फोन पर धमकी देने तक पहुँच गया। हैप्पी ने फोन पर गौरव गैंग के अन्य सदस्यों को बुलाकर झड़प को और उग्र कर दिया।

जिला पुलिस बल आरक्षक भर्ती में गड़बड़ी 4 याचिकाकर्ता 14 सितंबर को दंगे फिजिकल टेस्ट



बिलासपुर, 11 सितम्बर 2025। हाईकोर्ट में जिला पुलिस बल आरक्षक संवर्ग चयन परीक्षा 2023-24 की भर्ती प्रक्रिया में गड़बड़ी को लेकर 8 याचिकाकर्ता ने अपने वकील के माध्यम से जनहित याचिका दाखिल की। जिस पर मुख्य न्यायाधीश रमेश कुमार सिन्हा और न्यायाधीश विष्णु दत्त गुरु की खंडीपीठ में सुनवाई हुई। 4 याचिकाकर्ता 14 सितंबर को फिजिकल टेस्ट देंगे। जबकि बाकी को हाईकोर्ट ने कानूनी चुनौती की छूट दी है। याचिकाकर्ता के वकील बीपी सिंह कोर्ट को बताया कि इस मामले में बड़ी गड़बड़ी की गई है, जिन उम्मीदवारों पर गड़बड़ी के आरोप लगे थे और जांच की गई थी। उन्हें फिर से प्रक्रिया में शामिल किया गया है। इसके अलावा कंपनी इसमें शामिल थी। अभी वह काम कर रही है। महाधिवक्ता प्रफुल्ल और भारत में शासन का पक्ष रखते हुए बताया कि भर्ती की प्रक्रिया के शुरुआत में राजनांदगांव में गड़बड़ी सामने आई थी। इसके बाद प्रक्रिया रद्द कर दी गई थी और स्वतः संज्ञान लेकर जांच कराई गई। फिर राजनांदगांव सहित 9 जिलों में गड़बड़ी की जांच की गई।

राजेश श्रीवास्तव बने औद्योगिक न्यायालय के अध्यक्ष दिसंबर से खाली पद पर हाईकोर्ट की अनुशंसा पर नियुक्ति

बिलासपुर, 11 सितम्बर 2025। छत्तीसगढ़ राज्य औद्योगिक न्यायालय को नए अध्यक्ष मिल गए हैं। सेवानिवृत्त प्रधान जिला और सत्र न्यायाधीश राजेश कुमार श्रीवास्तव ने पदभार ग्रहण कर लिया है। उच्च न्यायालय छत्तीसगढ़ की अनुशंसा पर राज्य शासन के विधि और विधायी कार्य विभाग ने यह नियुक्ति की है। दिसंबर 2024 से यह पद खाली था, जब प्रथम अध्यक्ष रविशंकर शर्मा सेवानिवृत्त हुए थे। इस नियुक्ति से लेकर कोर्ट के लंबित अपीलियों मामलों की सुनवाई का रास्ता खुल गया है। अब औद्योगिक न्यायालय के आदेश के विरुद्ध हाईकोर्ट में अपील की जा सकती है। अध्यक्ष की अनुपस्थिति में औद्योगिक विवाद के सैकड़ों मामले लंबित थे। कंपनी प्रबंधन और श्रमिकों के बीच विवाद के मामलों का निर्णय लेकर कोर्ट करता है। लेकर कोर्ट के आदेश के विरुद्ध औद्योगिक न्यायालय में अपील की जा सकती है। यदि पक्षकार इनके आदेश से संतुष्ट नहीं हैं, तो वे हाईकोर्ट जा सकते हैं। औद्योगिक विकास के लिए श्रमिक-प्रबंधन संबंध महत्वपूर्ण हैं। वेतन, भत्ते और सेवा शर्तों को लेकर होने वाले



विवादों में औद्योगिक न्यायालय अहम भूमिका निभाता है। कर्मचारी या कर्मचारी संघ लेकर कोर्ट के फैसले के विरुद्ध सीधे हाईकोर्ट नहीं जा सकते। उन्हें पहले औद्योगिक न्यायालय में अपील करनी होती है।

अध्यक्ष को हाईकोर्ट जज का वेतनमान : बता दें कि औद्योगिक न्यायालय के

अध्यक्ष की नियुक्ति को लेकर दो याचिकाएं

राज्य सरकार की ओर से सीधे औद्योगिक न्यायालय के अध्यक्ष की नियुक्ति के लिए साल 2021 में जब नियमों में संशोधन किया। तब इसके विरुद्ध दो याचिकाएं हाईकोर्ट में दायर की गई थी। वकील मलय जैन ने पूर्व की व्यवस्था और नियमों का हवाला देते हुए कोर्ट को बताया कि नियुक्ति में किसी तरह के विवाद होने की स्थिति में हाईकोर्ट का निर्णय ही अंतिम माना जाता था। इस बाधता को राज्य शासन ने हटा दिया है।

नवनिर्वाचित अध्यक्ष राजेश कुमार श्रीवास्तव 1994 में व्यवहार न्यायाधीश के पद पर नियुक्त हुए थे। उन्होंने प्रधान जिला और सत्र न्यायाधीश के रूप में जिला जांजीर व दुर्ग में लगभग पौने 6 साल तक कार्य किया और मई 2022 से अपनी सेवानिवृत्ति 30 जून 2024 तक राज्यपाल सचिवालय में राज्यपाल के विधिक सलाहकार के पद पर कार्यरत रहे।

भाजपा अपने कार्यकर्ताओं को नहीं संभाल पा रही : बैज पीसीसी वीफ ने कहा... पूरे प्रदेश सुशासन की पोल खुलने लगी है, प्रदेश के किसान परेशान

रायपुर, 11 सितम्बर 2025। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने गुरुवार को पत्रकारों से चर्चा में भाजपा सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि धमतरी जिले के आछोटा गांव में भाजपा के करीब 400 कार्यकर्ताओं ने नाराज होकर जिला कार्यालय की दीवार पर अपना इस्तीफा चिपका दिया। दीपक बैज ने कहा कि इस सरकार से आम जनता का मोहभंग हो गया है। इसके पहले भी नारायणपुर में भी भाजपा के कार्यकर्ताओं ने इस्तीफा देने की धमकी दी थी। भाजपा अपने कार्यकर्ताओं को नहीं संभाल पा रही है। भाजपा जिस सुशासन का खिंडीरा पीट रही है, असल में वह भ्रष्टाचार है और यही सच्चाई कार्यकर्ताओं ने सामने ला दी है।



यूरिया की कमी और एग्री स्टेक पोर्टल से किसान परेशान

बैज ने कहा कि प्रदेश में यूरिया की भारी किल्लत है। किसान खाद के अभाव में फसल बचाने की जद्दोजहद कर रहे हैं। इसके अलावा धान खरीदी के लिए अनिवार्य किया गया। एग्री स्टेक पोर्टल किसानों के लिए सिरदर्द साबित हो रहा है। पोर्टल समय पर काम नहीं कर रहा,

जिससे पंजीयन नहीं हो पा रहा। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार जानबूझकर जटिल प्रक्रिया लागू कर रही है, ताकि धान खरीदी सीमित हो सके। कांग्रेस की मांग है कि किसानों का पंजीयन पुरानी प्रक्रिया से किया जाए ताकि सभी किसान आसानी से धान बेच सकें।

डिप्टी सीएम 717 सड़कों का वर्क ऑर्डर दिखाएँ

पीसीसी अध्यक्ष बैज ने कहा कि डिप्टी सीएम अरुण साव ने पौने दो साल में सरकार ने सिर्फ 2 सड़कें बनाई हैं। जबकि साव दावा कर रहे हैं कि 717 सड़कें स्वीकृत की गई हैं। बैज ने चुनौती दी कि अगर सरकार का दावा सही है तो वे इन सड़कों का वर्क ऑर्डर सार्वजनिक करें। उन्होंने कहा कि एक महीने से अधिक समय बीत चुका है, लेकिन अब तक कोई दस्तावेज सामने नहीं आया। सच यह है कि स्वीकृति ही नहीं मिली, तो वर्क ऑर्डर कहां से आएगा।

समेत कई भर्तियां विवादों में रही हैं। सहायक विकास विस्तार अधिकारी की परीक्षा में व्यापम ने खुद माना कि 12 प्रश्न हटाने पड़े। बैज ने कहा परीक्षा में 6 प्रश्नों के एक से अधिक उत्तर मान्य किए गए और 3 प्रश्नों के उत्तर बदले। फिर भी 6 प्रश्न अब तक विवादित है। उन्होंने कहा कि सरकार नृतिपूर्ण प्रश्न पत्र बनाने वालों को बचा रही है और भर्ती परीक्षाओं को मजकूर बना दिया है।

छत्तीसगढ़ में 6 आईपीएस अधिकारियों का तबादला

पंकज चंद्रा को कोरवा, विमल कुमार को जांजीर-चांपा का कमान

रायपुर, 11 सितम्बर 2025। छत्तीसगढ़ सरकार ने एक बार फिर आईपीएस अधिकारियों के तबादले किए हैं। राज्य शासन के गृह (पुलिस) विभाग की ओर से जारी आदेश में कुल 6 आईपीएस अधिकारियों के नाम शामिल हैं। ये आदेश अवर सचिव, गृह विभाग की ओर से जारी किया गया है।



जिन अधिकारियों का तबादला किया गया है, उनमें आईपीएस पंकज चंद्रा, भावना पांडेय, विमल कुमार बैस, हरीश राठौर, राजश्री मिश्रा और श्वेता सिन्हा के नाम शामिल हैं। इन अधिकारियों को नवीन पदस्थापना स्थल पर तत्काल कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं। बता दें कि

बुधवार को गृह विभाग ने 58 डीएसपी रैंक के अधिकारियों का तबादला किया था। इनमें 6 सहायक सेनानी भी शामिल थे। पोस्टिंग लिस्ट में इम्पेक्टर, कंपनी कमांडर इम्पेक्टर, रेडिओ इम्पेक्टर, रक्षित इम्पेक्टर और सीनियर रिपोर्टर कैडर से प्रमोशन पाए अफसर शामिल थे।